CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 253 ता. 02 अप्रेल 2022, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

द कश्मीर फाइल्स पर बोले शरद पवार, ऐसी फिल्म नहीं होनी चाहिए थी पास...भाजपा कर रही झूठा प्रचार

नेशनल डेस्क। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने फिल्म द कश्मीर फाइल्स को लेकर कहा कि भाजपा घाटी से कश्मीरी पंडितों के पलायन को लेकर झूठा प्रचार कर देश में जहरीला माहौल बना रही है। दिल्ली प्रदेश राकांपा के अल्पसंख्यक विभाग के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए पवार ने कहा कि ऐसी फिल्मों के प्रदर्शन की मंजूरी नहीं दी जानी चाहिए थी लेकिन सरकार ने इसे टैक्स फ्री कर दिया। पवार ने कहा कि जिन लोगों के पास देश को एकजुट रखने की जिम्मेदारी है, वहीं लोगों को ऐसी फिल्म देखने को कह रहे हैं ताकि लोगों में गुस्सा भड़के। पवार ने कहा कि यह सच है कि कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़नी पड़ी थी लेकिन मुसलमानों को भी उसी तरह से निशाना बनाया गया था। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान स्थित आतंकी समूह कश्मीरी पंडितों और मुसलमानों पर हमले के लिए जिम्मेदार हैं। राकांपा प्रमुख ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार को सच में कश्मीरी पंडितों की परवाह है तो उनके पुनर्वास के लिए हर कोशिश करनी चाहिए। अल्पसंखकों को लेकर उनके मन में गुस्सा नहीं भड़काना चाहिए। बता दें द कश्मीर फाइल्स में कश्मीरी पंडितों पर हुए जुल्म की दास्तां है।

तीन दिवसीय भारत यात्रा पर पहुंचे नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से की मुलाकात

नई दिल्ली। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर शुकवार को नई दिल्ली पहुंचे। देउबा ने नई दिल्ली पहुंचकर भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की। इससे पहले विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने ट्वीट किया, '' एक विशेष मित्र का स्वागत। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा 1 से 3 अप्रैल तक अपनी आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि जुलाई 2021 में पदभार संभालने के बाद देउबा की यह पहली द्विपक्षीय विदेश यात्रा है। नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ उनकी पत्नी आरजू देउबा भी भारत आई हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी बयान में कहा गया था कि नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल भी भारत आ रहा है। नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ एक उच्चस्तरीय शिष्टमंडल भी भारत आ रहा है। मंत्रालय ने कहा था, ''भारत और नेपाल के सदियों पुराने और मित्रतापूर्ण विशेष संबंध हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच सभी क्षेत्रों में सहयोग में महत्वपूर्ण प्रगति देखने को मिली है। नेपाल के प्रधानमंत्री की आसन्न यात्रा दोनों देशों के बीच विविध क्षेत्रों में व्यापक 'द्विपक्षीय गठजोड़ में महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा करने और दोनों देशों के लोगों के फायदे के लिये इसे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। विदेश मंत्रालय ने बताया था कि देउबा का दो अप्रैल को उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मिलने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत एम वेंकैया नायडू से मिलने और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बातचीत करने का कार्यक्रम है। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा का शुक्रवार को यहां भाजपा कार्यालय आने का कार्यक्रम भी है।

मोदी का छात्रों को सफलता मंत्र-सेल्फ मोटिवेट होना जरूरी, अपनी कमी को शक्ति बनाएं

नेशनल डेस्क।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को 'परीक्षा पे चर्चा के दौरान छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ये मेरा बड़ा प्रिय कार्यक्रम है, लेकिन कोरोना के कारण बीच में मैं आप जैसे साथियों से मिल नहीं पाया। पीएम मोदी ने कहा कि मेरे लिए आज का कार्यक्रम विशेष खुशी का है, क्योंकि एक लंबे अंतराल के बाद आप सबसे मिलने का मौका मिल रहा है। छात्रों से बात करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि त्योहारों के बीच में भी होते हैं। इस वजह से त्योहारों का मजा नहीं ले पाते, लेकिन अगर को ही त्योहार बना दें, तो उसमें कई रंग भर जाते हैं। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का लाइव प्रसारण हुआ। दूरदर्शन के चैनलों पर इस कार्यक्रम को लाइव दिखाया गया। इसके अलावा शिक्षा मंत्रालय भी इस कार्यक्रम की ट्विटर अकाउंट पर लाइव स्ट्रीमिंग की। मन में तय कर लीजिए कि परीक्षा जीवन का सहज हिस्सा है। हमारी विकास यात्रा के ये छोटे-छोटे पड़ाव हैं। इस पड़ाव से पहले भी हम गुजर चुके हैं। पहले भी हम कई बार परीक्षा दे चुके हैं। जब ये विश्वास पैदा हो जाता है तो आने वाले एक्जाम के लिए ये अनुभव आपकी ताकत बन जाता हैं। अपने इन अनुभवों को, जिस प्रक्रिया से आप गुजरे हैं, उसको आप कतई छोटा मत मानिए। दूसरा आपके मन में जो पैनिक होता है, उसके लिए मेरा आपसे आग्रह है कि आप किसी दबाव में मत रहिए। जितनी सहज दिनचर्या आपकी रहती है, उसी सहज दिनचर्या में आप अपने आने वाले परीक्षा के समय को भी बिताइए। जब आप ऑनलाइन पढ़ाई करते हैं तो क्या आप सच में पढ़ाई करते हैं, या देखते हैं? दोष ऑनलाइन या ऑफलाइन का नहीं है। क्लासरूम में भी कई बार आपका शरीर क्लासरूम में होगा, आपकी आंखें टीचर की तरफ होंगी, लेकिन कान में एक भी बात नहीं जाती होगी, क्योंकि आपका दिमाग कहीं और होगा। आज हम डिजिटल गैजेट के माध्यम से बड़ी आसानी से और व्यापक रूप से चीजों को प्राप्त कर सकते हैं। हमें इसे एक मानना चाहिए, न कि समस्या। मन कहीं और होगा तो सुनना ही बंद हो जाता है। जो चीजें ऑफलाइन होती हैं, वही ऑनलाइन भी होती हैं। इसका मतलब है कि माध्यम समस्या नहीं है, मन समस्या है। माध्यम ऑनलाइन हो या ऑफलाइन, अगर मन पूरा उसमें डूबा हुआ है, तो आपके लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन का कोई फर्क नहीं पड़ेगा। ये मेरा बड़ा प्रिय कार्यक्रम है। लेकिन कोरोना के

कारण बीच में मैं आप जैसे साथियों से मिल नहीं पाया। मेरे लिए आज का कार्यक्रम विशेष खुशी का है, क्योंकि एक लंबे अंतराल के बाद आप सबसे मिलने का मौका मिल रहा है।

दिल्ली पुलिस ने ष्टरूकेजरीवाल आवास पर तोड़फोड़ पर कहा- एफआईआर दर्ज की है, सीसीटीवी फुटेज रखेंगे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को यहां हाई कोर्ट को बताया कि उसने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के आवास के बाहर कथित हमले पर स्वत संज्ञान लिया और प्राथमिकी दर्ज की है। गत बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की युवा ईकाई ने 'द कश्मीर फाइल्स फिल्म पर केजरीवाल की टिप्पणी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान उनके आवास के बाहर कथित तौर पर तोड़फोड़ की थी। दिल्ली पुलिस और केंद्र सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल संजय जैन ने कहा कि चिंताओं के समाधान के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं और मुख्यमंत्री के आवास के साथ ही मुख्य सड़कों के आसपास लगे कैमरों से सीसीटीवी फुटेज समेत सभी सबूत संरक्षित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि आठ लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है और जांच चल रही है। आम आदमी पार्टी के विधायक सौरभ भारद्वाज की याचिका पर सुनवाई कर रही, कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी और न्यायमूर्ति नवीन चावला की पीठ ने दिल्ली पुलिस को जांच के बारे में स्थिति रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में सौंपने का वक्त दिया। भारद्वाज ने वकील भारत गुप्ता की ओर से दायर की याचिका में विशेष जांच दल से कथित हमले की जांच के कराने का अनुरोध किया और दलील दी कि ऐसा प्रतीत होता है कि दिल्ली पुलिस की ''गुपचुप मिलीभगत से तोड़फोड़ की गयी।

देश में मतदान करना होगा अनिवार्य, सरकार का वोटिंग को लेकर प्लान?

नई दिल्ली।

विपक्षी सदस्यों ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि देश में अनिवार्य मतदान की बाध्यता उचित नहीं होगी और सरकार को ऐसी व्यवस्था बनानी चाहिए कि लोग चुनावी प्रक्रिया की तरफ स्वत- आकर्षित हों। दूसरी तरफ, भाजपा के कुछ सांसदों ने कहा कि अनिवार्य मतदान होना चाहिए क्योंकि इससे लोकतंत्र मजबूत होगा। भाजपा सांसद जर्नादन सिंह 'सिग्रीवाल द्वारा लाए गए गैर सरकारी विधेयक 'अनिवार्य मतदान विधेयक, 2019 पर चर्चा को आगे बढ़ाते हुए कांग्रेस के डीन कुरियाकोस ने कहा कि हमें एक व्यवस्था बनानी होगी जिससे लोगों को मतदान के लिए आकर्षित किया जा सके, लोगों को लोकतंत्र में विश्वास बढ़े। उन्होंने कहा, ''हमें चुनावी तंत्र में धनबल और बाहुबल को खत्म करने की जरूरत है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि एनआरआई लोगों को मतदान का अधिकार दिया जाना चाहिए क्योंकि वे हमारे देश में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि 'हमें मतदान के लिए मत पत्रों की तरफ वापस लौटने के लिए चर्चा करनी होगी ताकि लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास बहाल रहे। वहीं, भाजपा सांसद जमयांग नामग्याल ने कहा कि मतदान को अनिवार्य बनाना बहुत जरूरी है। मतदान एक मौलिक कर्तव्य हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अनिवार्य मतदान से सैनिकों और अर्धसैनिक बलों को अलग रखना चाहिए। उनके अनुसार, बहुत सारे लोग मतदान के समय घर से नहीं निकलते हैं, लेकिन जब जन प्रतिनिधि उनके पास जाते हैं तो वो बुरा-भला कहते हैं। पास जाते हैं तो वो बुरा-भला कहते हैं। नामग्याला ने कहा, ''मैं हैरान हूं कि आज भी बहुत सारे लोगों के दिमाग में भर दिया गया है कि राजनीति एक गंदा खेल है। यह अच्छा विचार नहीं है। राजनीतिक कभी गंदी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी का राजनीति या मतदान से दूर रहना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं रहेगा। भाजपा सांसद ने कहा कि मतदाता पहचान पत्र को आधार के साथ जोड़ना चाहिए। चर्चा में भाग लेते हुए आईयूएमएल के ई टी मोहम्मद बशीर ने कहा कि इस देश में भौगोलिक एवं अन्य सीमाओं की वजह से अनिवार्य मतदान नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश में प्रवासी भारतीयों का मतदान सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया जा रहा।

उन्होंने कहा कि प्रॉक्सी या ऑनलाइन माध्यम से एनआरआई के मतदान को सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश में इसे लागू नहीं किया जा रहा और इसके पीछे कोई एजेंडा नजर आता है। बशीर ने स्वतंत्र और निडरतापूर्ण मतदान के लिए और प्रचारतंत्र को नियंत्रित करने के लिए भी कानून लाने की मांग की। आईयूएमएल नेता ने कहा कि दिव्यांगों के लिए डाक मतदान की व्यवस्था होनी चाहिए। वहीं, भाजपा के रमेश बिधूड़ी ने कहा कि उन्होंने कहा कि अगर मतदान अनिवार्य होगा तो दुनिया के अंदर भारत की स्थिति और सुधरेगी।

पेपर लीक पर चर्चा करें भाजपा सरकार, प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर पीएम मोदी पर कसा तंज

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को लेकर शुक्रवार को कटाक्ष करते हुए कहा कि भाजपा सरकार को उत्तर प्रदेश में 'पेपर लीक पर चर्चा करनी चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश में कुछ परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने का हवाला दिया। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी ने ट्वीट किया कि भाजपा सरकार को उप्र में पेपर लीक पर चर्चा करनी चाहिए। पिछले साल 28 नवंबर को यूपी टीईटी पेपर लीक से लाखों युवाओं को आघात लगा था। कार्रवाई के नाम पर दिखावटी कदमों के अलावा कुछ नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि उप्र के युवा आजतक नहीं जान पाए कि यूपी सरकार के किस भ्रष्ट तंत्र ने पेपर लीक को अंजाम दिया? नतीजतन, एक और पेपर लीक। प्रियंका गांधी ने कहा कि इस बार भी सरकार दिखावटी कदमों के अलावा कुछ और नहीं कर रही है। पेपर लीक की नतीजतन, एक और पेपर लीक। प्रियंका गांधी ने कहा कि इस बार भी सरकार दिखावटी कदमों के अलावा कुछ और नहीं कर रही है। पेपर लीक की खबर लिखने वाले पत्रकार को जेल भेजा जा रहा है। लेकिन, पेपर लीक करने वाला तंत्र सरकार में पैठ जमाए बैठा है। उस पर न कोई बुलडोजर चलता है, न कोई बदलाव आता है।

उत्तराखंड में अमिताभ बच्चन की फिल्म गुड बाय की शूटिंग जारी

देहरादून। मशहूर अभिनेता अमिताभ बच्चन की आने वाली फिल्म 'गुड बाय की शूटिंग इन दिनों उत्तराखंड में हो रही है। पिछले महीने की 27 तारीख से ऋषिकेश और देहरादून में जारी 'गुड बाय की शूटिंग चार अप्रैल तक चलेगी। फिल्म में उत्तराखंड के कई जूनियर कलाकार भी नजर आएंगे। उत्तराखंड फिल्म विकास परिषद के नोडल अधिकारी केएस चौहान ने शुक्रवार को बताया कि उन्होंने सदी के महानायक अमिताभ बच्चन से मुलाकात कर उन्हें राज्य पर्यटन एवं फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन की कॉफी टेबल बुक तथा केदारनाथ मंदिर की एक प्रतिकृति भेंट की। चौहान के अनुसार, अभिनेता ने कहा कि उन्हें उत्तराखंड में शूटिंग करने में बहुत आंनद आ रहा है। उत्तराखंडवासियों के सहयोगात्मक स्वभाव की सराहना करते हुए अमिताभ ने कहा कि प्रदेश का नैसर्गिक सौंदर्य एवं प्राकृतिक वातावरण फिल्मों की शूटिंग के लिए अनुकूल है। चौहान ने कहा कि उत्तराखंड वर्तमान में फिल्म शूटिंग का हब बन चुका है और इससे पर्यटन बढ़ने के साथ ही रोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं।

पंजाब जीत के बाद गुजरात में हुंकार भरेगी आप

अहमदाबाद में रोड शो में हिस्सा लेंगे केजरीवाल और भगवंत मान

नेशनल डेस्क।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान शनिवार को यहां रोड शो में हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम आम आदमी पार्टी (आप) के इन दोनों नेताओं की राज्य की दो दिवसीय यात्रा का हिस्सा है। गुजरात में दिसंबर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। गुजरात आप के महासचिव मनोज सोरठिया ने शुक्रवार को कहा, दो किलोमीटर का रोड शो अहमदाबाद शहर के निकोल और बापूनगर के बीच निकाला जाएगा। हम इसे तिरंगा यात्रा कह रहे हैं। राज्य भर से पार्टी के सभी प्रमुख नेताओं सहित लगभग 50,000 लोग भाग लेंगे।

कुछ दिन पहले केजरीवाल के दिल्ली आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान की गई तोड़फोड़ के मद्देनजर आप इकाई ने यहां शहर के पुलिस आयुक्त संजय श्रीवास्तव से दोनों नेताओं की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त उपाय करने को कहा। सोरठिया ने संवाददाताओं से कहा, कुछ बदमाशों ने हाल में दिल्ली में केजरीवाल के आवास पर हमला किया। हमें डर है कि कुछ लोग यहां भी हमारे नेताओं पर हमला कर सकते हैं। इसलिए, हमने अतिरिक्त सावधानी बरतने और अपने नेताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आयुक्त को एक पत्र भेजा है। पार्टी द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार केजरीवाल और मान आज रात यहां पहुंचेंगे और एक होटल में ठहरेंगे। शनिवार सुबह वे सबसे पहले गांधी आश्रम जाएंगे और फिर दोपहर में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करने शहर के निकोल इलाके में पहुंचेंगे। सोरठिया ने कहा कि रविवार शाम को दिल्ली रवाना होने से पहले वे शाहीबाग इलाके में स्वामीनारायण मंदिर जाएंगे।

मनसुख मांडविया बोले- मोदी के समय पर दिए सही निर्देश के कारण ही भारत कोरोना से निपट पाया

नेशनल डेस्क।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने कोरोना वायरस के संक्रमण एवं अन्य बीमारियों से मुकाबला करने में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के प्रयासों की सराहना करते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समय पर सही निर्देश देने का ही परिणाम है कि आज भारत ष्थ1द्वस्र-19 महामारी से विश्व में सबसे अच्छे तरीके से निपट सका है। लोकसभा में कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी के पूरक प्रश्न के उत्तर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मांडविया ने यह बात कही। चौधरी ने कोविड महामारी से निपटने के प्रयासों को लेकर पर सवाल उठाया था। सदस्य ने की दूसरी लहर के प्रबंधन को लेकर भी सवाल किया और कहा कि इस दौरान लाखों लोग संक्रमित हुए। उन्होंने कहा कि इससे पहले फरवरी 2020 में प्रधानमंत्री ने कहा था कि कोरोना वायरस के खिलाफ भारत की लड़ाई ने दुनिया को प्रभावित किया। इस पर स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री द्वारा समय पर दिए गए सही निर्देशों का परिणाम है कि आज भारत ष्थ1द्वस्र महामारी से सबसे अच्छे तरीके से निपट सका है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान में काफी बेहतर ढंग से टीकाकरण अभियान चलाया गया। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों में शीर्ष एजेंसी के रूप में काम कर रहा है और इसने महामारी से निपटने के लिये काफी प्रयास किए हैं।

मांडविया ने कहा कि ढ्ढष्टरूक्र ने अनुसंधान कार्य किए तथा देश का इन प्रयासों में मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर इस संस्था ने टीके के पूर्ववर्ती सरकार पर परोक्ष निशाना साधते हुए मंत्री ने कहा ''एक समय था जब कोई नई बीमारी आती थी ।

एस जयशंकर ने सर्गेई लावरोव के साथ की मुलाकात, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने इन मुद्दों पर की चर्चा

नेशनल डेस्क। विदेश मंत्री एस् जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ शुक्रवार को यहां मुलाकात की और कहा कि भारत ने अपने 'एजेंडे% का विस्तार करते हुए सहयोग में विविधता लाने की कोशिश की है। जयशंकर ने कहा कि हमारी आज की बैठक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त तनावपूर्ण स्थिति में हो रही है और भारत हमेशा से मतभेदों या विवादों को बातचीत तथा कूटनीति के जरिये सुलझाने का पक्षधर रहा है। जयशंकर ने लावरोव के साथ वार्ता के दौरान ये बातें कहीं। वहीं, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अतीत में कई मुश्किल मौकों पर भी दोनों देशों के बीच संबंध चिरस्थायी बने रहे। उन्होंने कहा, ''हमें संतुलित विश्व में रूचि है जो इसे टिकाऊ बनाता है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने जयशंकर के साथ वार्ता के दौरान मौजूदा स्थिति में भारत के रुख की सराहना की। जयशंकर एवं लावरोव के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई जब एक दिन पहले ही अमेरिका ने आगाह किया कि रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों में गतिरोध पैदा करने वाले देशों को अंजाम भुगतने पड़ेंगे। भारत और रूस के बीच यह उच्च-स्तरीय बैठक उन संकेतों की पृष्ठभूमि में हुई जिसमें व्यापक छूट पर रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीदने की भारत की संभवनाओं तथा द्विपक्षीय व्यापार के लिए रुपये-रूबल की विनिमय व्यवस्था की बात सामने आई। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव बृहस्पतिवार को दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे। वह चीन की यात्रा समाप्त करने के बाद भारत आए हैं। यूक्रेन पर पिछले महीने रूस के आक्रमण के बाद से उनकी यहां की यह पहली यात्रा है। रूसी विदेश मंत्री लावरोव के भारत पहुंचने से कुछ ही घंटे पहले अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) दलीप सिंह ने आगाह किया था कि रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों में गतिरोध पैदा करने वाले देशों को अंजाम भुगतने पड़ेंगे। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला सहित भारतीय वार्ताकारों के साथ कई बैठकें करने के बाद सिंह ने यह भी कहा था कि अमेरिका किसी भी देश को रूसी केंद्रीय बैंक के साथ वित्तीय लेनदेन में शामिल होते नहीं देखना चाहेगा। सूत्रों ने बताया कि रूस द्वारा एस-400 मिसाइल प्रणाली के कलपुर्जे और विभिन्न सैन्य साजो-सामान की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भारत के जोर देने की संभावना भी है। कई अन्य प्रमुख शक्तियों के विपरीत, भारत ने अभी तक यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस की आलोचना नहीं की है सूत्रों ने बताया कि रूस द्वारा एस-400 मिसाइल प्रणाली के कलपुर्जे और विभिन्न सैन्य साजो-सामान की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भारत के जोर देने की संभावना भी है। कई अन्य प्रमुख शक्तियों के विपरीत, भारत ने अभी तक यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस की आलोचना नहीं की है और उसने रूसी आक्रमण की निंदा करने वाले प्रस्तावों पर संयुक्त राष्ट्र के मंचों पर मतदान में हिस्सा लेने से परहेज किया है। वहीं, पिछले बृहस्पतिवार को यूक्रे में मानवीय संकट को लेकर रूस द्वारा पेश प्रस्ताव पर मतदान के दौरान भी भारत अनुपस्थित रहा। यह इस संघर्ष को लेकर भारत के निष्पक्ष रूख को प्रदर्शित करता है। संघर्ष शुरू होने के लादिमीर पुतिन से टेलीफोन पर 24 फरवरी, 2 मार्च और 7 मार्च को बात कर चुके हैं।

CMYK

स्टालिन ने केंद्र से मांगी तमिलनाडु की पेंडिंग पड़ी 20,860 करोड़ रुपए की राशि, बोले-हमें पैसों की जरूरत

एजेंसी ।

तमिलनाडु ने शुक्रवार को केंद्र से अनुरोध किया कि वह राज्य की बकाया करीब 20 हजार करोड़ रुपए की राशि जारी करे। तमिलनाडु ने कहा कि कोरोना की वजह से राज्य को अपनी स्वास्थ्य सेवा को अद्यतन करने के लिए और राशि खर्च करने की जरूरत है। नई दिल्ली के आधिकारिक दौरे पर आए राज्य के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को एक ज्ञापन भी सौंपा है जिसमें त्रस्ज्ञ क्षतिपूर्ति सहित लंबित देनदारियों को रेखांकित किया गया है। ज्ञापन में कहा गया कि केंद्र पर राज्य का 20,860.40 करोड़ रुपए बकाया है जिनमें से 13,504.74 करोड़ रुपए की राशि त्रस्ज्ञ क्षतिपूर्ति के मद से भी मिलनी है। उन्होंने कहा कि तमिलनाडु मौजूदा समय में ष्प1द्वस्न-19 से राहत मिलने के बावजूद 'गंभीर वित्तीय समस्या का सामना कर रहा है क्योंकि राजस्व संग्रह बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। स्टालिन ने कहा, ''महामारी ने राज्य की स्वास्थ्य अवसंचना बढ़ाने, चिकित्सा उपकरणों और दवाओं पर खर्च करने की जरूरत बढ़ा दी है और इसके साथ ही आबादी के असुरक्षित वर्ग के लिए कल्याणकारी योजना संचालित करने की आवश्यकता भी बढ़ गई है। केंद्र की देनदारियों के बारे में स्टालिन ने कहा कि माल एवं सेवा कर एरियर के तौर पर वित्त मंत्रालय को सबसे अधिक 13,504.74 करोड़ रुपए की राशि देनी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार को 2,203.25 करोड़ रुपए की राशि मिल से प्राप्त चावल की सब्सिडी के तौर पर केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं जनवितरण विभाग से प्राप्त करनी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि शिक्षा विभाग को भी सर्वशिक्षा अभियान के तहत मानव संसाधन विकास मंत्रालय से 2,109.08 करोड़ रुपए का अनुदान प्राप्त करना है। उन्होंने केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण से जीएसटी क्षतिपूर्ति प्राप्त करने की अवधि भी बढ़ाने का अनुरोध करते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ ।

सिद्धगंगा मठ के दिखाए रास्ते पर चल रही हैं मोदी सरकार, दिवंगत शिवकुमार स्वामीजी की प्रशंसा करते हुए बोले शाह

कर्नाटक।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि नरेंद्र मोदी नीती केन्द्र सरकार सिद्धगंगा मठ के दिवंगत शिवकुमार स्वामीजी द्वारा दिखाए गए रास्ते पर चल रही हैं और लोगों को निःशुल्क भोजन, शिक्षा और आवास मुहैया कराकर 'त्रिविध दासोहा को लागू कर रही हैं। स्वामीजी की सेवाओं की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि रोजाना 10,000 बच्चों को भोजन कराना, उनके लिए निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था और उन्हें आश्रय देने का लक्ष्य 'कर्म योगी प्राप्त कर सकता है। शिवकुमार स्वामीजी की लिंगायत मठ की 88 साल तक सेवा करने के बाद 2019 में 111 वर्ष की आयु में मृत्यु हो गई थी। शाह ने शिवकुमार स्वामीजी की 115वीं जयंती के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए कहा कि स्वामीजी ने 12वीं सदी के समाज सुधारक बसवेश्वर के उपदेशों को जमीनी स्तर पर लागू किया और मठ को लोगों के उत्थान केन्द्र के रूप में विकसित किया। गृह मंत्री ने कहा कि इस मठ में कोई भूखा नहीं रहता है। रोजाना समाज के सभी तबके के 10,000 बच्चों को निःशुल्क भोजन, शिक्षा और आश्रय मिलता है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत केन्द्र की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने भी जमीनी स्तर पर शिवकुमार स्वामीजी के सिद्धांतों को लागू किया है। हम पांच किलोग्राम चावल दे रहे हैं, नई शिक्षा नीति के जरिए हमने शिक्षा को नया आयाम दिया है जहां कोई भी अपनी भाषा में इंजीनियरिंग और मेडिकल की शिक्षा प्राप्त कर सकता है और 7 साल में 3 करोड़ लोगों को आवास मुहैया कराया है। उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान 80 करोड़ लोगों को निःशुल्क भोजन दिया गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार समाज के सभी तबकों की प्रगति के लिए प्रयास कर रही है।

पत्नी को गिफ्ट देने के लिए चुराए गहने निकले नकली यहां बीवी तो नाराज हो ही गई, वहां पुलिस ने भी पकड़ लिया

कांकेर। नवविवाहिता पत्नी को होली पर खुश करने के चक्कर में एक पति पुलिस के फेर में फंस गया। दरअसल, पति पत्नी को होली का तोहफा देना चाहता था और इसके लिए उसने दोस्तों के संग मिलकर चोरी का प्लान बनाया। सूने मकान से ज्वैलरी चोरी कर ली और गहनें पत्नी को गिफ्ट कर दिए। लेकिन अब पुलिस ने इस घटना का खुलासा किया है और पति को दोस्तों संग गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि जांच में पता चला कि आरोपी ने पत्नी को जो गहनें गिफ्ट किए हैं वो आर्टिफिशियल थे। मामला जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के शितलापरा का है जहां सूने मकान में हुई चोरी की घटना का खुलासा पुलिस ने गुरुवार को कर दिया है। पुलिस ने चोरी के आरोप में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनके पास से चोरी के आभूषण भी बरामद कर लिए गए हैं। घटना के मास्टरमाइंड ने चोरी के आभूषण अपनी पत्नी को होली में गिफ्ट में दे दिए थे। पुलिस के मुताबिक शितलापरा निवासी राजू गोसाई अपने पूरे परिवार के साथ जगन्नाथ पूरी दर्शन के लिए गया हुआ था। इसकी जानकारी उसी के वार्ड में रहने वाले रवि ठाकुर को हो गई थी। इसके बाद उसने अपने दो साथियों गंगाराम सारथी और पप्पू के साथ मिलकर घर की रेकी की और तब उन्होंने घर में चोरी की शिकायत दर्ज करवाई थी।

संक्षिप्त समाचार

34 साल बाद राज्यसभा में किसी पार्टी के सदस्यों की संख्या हुई 100 के पार, जानें किस पार्टी के कितने सांसद?

एजेंसी । संसद में भारतीय जनता पार्टी का बहुमत और बढ़ गय है, जबकि कांग्रेस की ताकत कम हो गई है। राज्यसभा चुनाव के हालिया दौर में कांग्रेस की ताकत पांच सीटों से कम हो गई है। राज्यसभा में भाजपा के सदस्यों की संख्या पहली बार 100 के पार पहुंच गई है। यह उपलब्धि हासिल करने वाली भाजपा 1988 के बाद पहली पार्टी बन गई है। गुरुवार को हुए संसद के उच्च सदन के चुनावों के हालिया दौर के बाद, भगवा पार्टी की संख्या अब 101 हो गई है। भाजपा ने यह उपलब्धि 13 में से चार सीटें जीतकर हासिल की, जिसके लिए गुरुवार को मतदान हुआ था। भाजपा की गठबंधन सहयोगी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने असम से एक राज्यसभा सीट जीती। भाजपा ने तीन पूर्वोत्तर राज्यों असम, त्रिपुरा और नागालैंड से राज्यसभा की चार सीटें जीतीं। भाजपा ने इस क्षेत्र से उच्च सदन में अपने सदस्यों की संख्या भी बढ़ा दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने ट्वीट किया, असम ने एनडीए के दो उम्मीदवारों को राज्यसभा में चुनकर प्रधनमंत्री पर अपना विश्वास जताया है। भाजपा की पबित्रा मार्गेरिटा 11 वोटों से जीती और यूपीपीएल के रवंगवरा नारजारी नौ वोटों से जीते। विजेताओं को मेरी बधाई । राज्यसभा में बीजेपी के 100 का आंकड़ा पार करने के साथ ही विपक्ष को इस साल अगस्त में होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव की दौड़ से बाहर कर दिया गया है। असम की दो राज्यसभा सीटों और त्रिपुरा की एक सीट के लिए गुरुवार को मतदान हुआ था। भाजपा उम्मीदवार और उनकी महिला शाखा के राज्य अध्यक्ष एस. फांगनोन कोन्याक को नागालैंड की एकमात्र राज्यसभा सीट के लिए निर्विरोध चुना गया, जिससे वह संसद के उच्च सदन में बर्थ पाने वाली राज्य की पहली महिला बन गईं। असम में कांग्रेस के रिपुन बोरा और रानी नारा का राज्यसभा का कार्यकाल दो अप्रैल को समाप्त होगा। राज्यसभा में अब भारतीय जनता पार्टी के 101 सांसद, कांग्रेस के 28, टीएमसी के 13, डीएमके के 10 और आम आदमी पार्टी के पांच सदस्य हैं। इसके अलावा अन्य क्षेत्रीय पार्टियों का भी राज्यसभा में प्रतिनिधित्व है।

पुलिस के हाथ लगी बड़ी कामयाबी, जैश-ए-मोहम्मद के तीन आतंकवादी गिरफ्तार

एजेंसी । कश्मीर के पुलवामा जिले में सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के एक ठिकाने को ध्वस्त करके जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में संयुक्त बलों ने कल शाम एक ठिकाने को ध्वस्त करने के तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान पुलवामा निवासी ओवैस अल्ताफ, आकिब मंजूर और वसीम अहमद पंडित के रूप में हुई है। पुलवामा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक गुलाम जिलानी ने कहा कि आतंकवादियों के पास से राइफल, मैगजीन और एक ग्रेनेड जब्त किया गया है। जिलानी ने कहा कि सभी आतंकवादी जेईम के लिए कार्य कर रहे थे और पुलवामा जिले में आतंकवादियों को रसद और परिवहन उपलब्ध करा रहे थे। पुलिस ने मामले को दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

प्रेमी-प्रेमिका के बीच हो रही लड़ाई में पहुंचा फूड डिलीवरी बॉय, आपा खोते ही महिला पर कर दी थप्पड़ों की बरसात

भुवनेश्वर। ओडिशा के भुवनेश्वर में एक फूड डिलीवरी ब्वॉय ने बीच सड़क पर एक लड़की की जमकर पिटाई की। जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भुवनेश्वर के इंदिरा गांधी पार्क से बाहर आने के बाद एक लड़की की अपने ब्वॉयफ्रेंड संग किसी बात को लेकर बहस हो गई जिसके बाद वहां डिलीवरी एक्जीक्यूटिव भी आता है और मामले में बीच-बचाव करने की कोशिश करता है लेकिन इस पर लड़की और भड़क जाती है और उसको भी गालियां देने लगती है। जिसके बाद डिलीवरी बॉय अपना आपा खो बैठता है और उसे पीटना शुरू कर देता है। वीडियो में वह उसे धक्का मारते, घूंसे मारते और थप्पड़ मारते हुए देखा जा सकता है। रास्ते से गुजरनेवाले राहगीर भी ये देख हैरान रह जाते हैं। हालांकि अभी तकलड़की और डिलीवरी एक्जीक्यूटिव ने पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई है। वहीं भुवनेश्वर डीसीपी उमाशंकर दास ने इस मामले में कहा कि चूंकि यह दोनों पक्षों द्वारा पिटाई की घटना थी, मैंने संबंधित पीएस अधिकारी को उन दोनों के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

31 साल बाद फिर खुला कश्मीरी पंडितों के कातिल बिट्टा कराटे का केस, अब 16 अप्रैल को होगी कोर्ट में सुनवाई

एजेंसी । जम्मू-कश्मीर में कश्मीर पंडित सतीश टिक्कू की हत्या के आरोपी फारूक अहमद डार उर्फ बिट्टा कराटे को लेकर श्रीनगर कोर्ट में मामले को फिर से खोल दिया है। कोर्ट ने मामले को सकारात्मक रूप से सुना और कश्मीरी पंडितों की हत्या के मामले को किसी निष्कर्ष न पहुंचाने के लिए जम्मू-कश्मीर सरकार को फटकार लगाई है। कोर्ट इस मामले पर 16 अप्रैल को सुनवाई करेगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने याचिकाकर्ता पीड़ित सतीश टिक्कू के परिजनों को याचिका की हार्ड कॉपी जमा करने को कहा है। इसके अलावा अदालत ने बिट्टा कराटे के वकील को भी हार्ड कॉपी दाखिल करने को कहा है। बिट्टा कराटे पर पूरे 31 साल बाद ये सुनवाई की गई। बिट्टा के खिलाफ सतीश टिक्कू के परिवार ने ये हिम्मत दिखाई है और एक्टिविस्ट विकास राणा के जरिए श्रीनगर कोर्ट में याचिका दायर की है।टिक्कू परिवार के वकील एडवोकेट उत्सव बैंस ने अदालत की कार्यवाही के बाद कहा कि अदालत ने गौर से सुना। उन्होंने कहा, ''31 साल बाद परिवार निचली अदालत में आया है और अब परिवार के लिए उम्मीद की किरण है। मामले की अगली सुनवाई 16 अप्रैल को होगी। श्रीनगर के हब्बा कदल इलाके में 2 फरवरी, 1990 को सतीश टिक्कू की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। टिक्कू के परिवार का दावा है कि बिट्टा ने बीबीसी को दिए एक वीडियो साक्षात्कार में 20 पंडितों को मारने की बात कैमरे पर स्वीकार की थी। बिट्टा जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) का पूर्व कमांडर हैं और कश्मीर में आतंकी गतिविधियों के लिए पाकिस्तान से फंडिंग करने के आरोप में दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। फंडिंग में गिरफ्तारी से पहले, वह पहले नवंबर 1990 और 2006 के बीच कई वर्षों तक जेल में रहा था बिट्टा 16 साल जेल में रहा और 23 अक्टूबर 2006 को टाडा अदालत से जमानत पर रिहा हो गया। हर बार पूरे सबूत न मिलने की वजह से उसे रिहा कर दिया जाता था।

कश्मीर की आफरीन हैदर ने तायक्वोंडो में देश का नाम किया रोशन

श्रीनगर। इंटरनेशनल स्तर पर तायक्वोंडो में भारत का नाम रोशन करन कश्मीर की आफरीन हैदर ने एक बात फिर इस बात को साबित कर दिया है कि कश्मीर में प्रतिभा की कमी नहीं है। कश्मीर में इन दिनों युवा जहां मार्शल आर्टस के विभिन्न तरीकों को सीख रहे हैं वहीं आफरीन ने इसके पारंपरिक तरीके को ही अपनाया। उसने न सिर्फ इसे सीखा बल्कि इंटरनेशनल स्तर पर आयोजित चैंपियनशिप में भाग भी लिया। यह प्रतियोगिता व्लर्ड तायक्वोंडो एसोसिएशन ने आयोजित की। आफरीन ने जी2 स्तर की सभी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इनमें मुख्य तौर पर कुलीन खिलाड़ी ही भाग लेते हैं। इसमें परफार्मेंस के हिसाब से रैंक तय होते हैं। आफरीन ईरान के तेहरान में आयोजित जी2 स्तर की बैक टू बैक प्रतियोबिताओं में भाग लिया। आफरीन 62 किलोग्रमा की श्रेणी में खेली और भारत की नंबर एक की श्रेणी में है जबकि विश्व स्तर पर उसका रैंक 85वां है। वह कहती है, विश्व स्तर पर अपने रैंक में सुधार से मैं खुश हूं।

मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस बहुमत से जीतेगी कर्नाटक विधानसभा चुनावः राहुल गांधी

बेंगलुरु।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कर्नाटक में पार्टी नेताओं से एकजुट होकर काम करने और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में 150 सीट जीतने का लक्ष्य रखने का शुक्रवार को आह्वान किया। गांधी ने यहां पार्टी की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि कर्नाटक में हमेशा पार्टी के समर्थन की भावना रही है और यह कांग्रेस की स्वाभाविक स्थिति है। उन्होंने कहा कि हमें कम से कम 150 सीटों (224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा में) के साथ जीतना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें कम से कम 150 सीटों (224 सदस्यीय कर्नाटक विधानसभा में) के साथ जीतना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें एकजुट होकर और सही मुद्दों पर लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्टी नेताओं सिद्धारमैया, डी. के. शिवकुमार, और मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य के लिए 'सबसे बड़ी जिम्मेदारी एकजुट होकर लड़ना और 150 सीटों पर जीत हासिल करना है। गांधी ने कहा कि हमें इस चुनाव में युवाओं और महिलाओं पर ध्यान देना चाहिए चाहे वह टिकट देने के मामले में हो या संगठन में। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस स्पष्ट बहुमत से जीतेगी और गरीबों, छोटे व्यापारियों और सभी वर्गों के लिए काम करने वाली सरकार देगी। कांग्रेस नेता ने भारतीय जनता पार्टी

पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह रोजगार का सृजन करने की स्थिति में नहीं है क्योंकि ''उन्होंने छोटे और मध्यम उद्योगों को नष्ट कर दिया है। गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के बारे में बोलते थे, क्योंकि ''उन्होंने छोटे और मध्यम उद्योगों को नष्ट कर दिया है। गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री भ्रष्टाचार के बारे में बोलते थे, लेकिन अगर वह कर्नाटक में इसके बारे में बोलते हैं, तो लोग हंसेंगे क्योंकि यह (कर्नाटक में भाजपा सरकार) 40 प्रतिशत (कमीशन) के साथ सबसे भ्रष्ट राज्य है।

जिलाधिकारी ने गोवंश संरक्षण केन्द्र के साथ-साथ चल रहे निर्माण कार्यों का भी किया निरीक्षण

संवाददाता सूरत भूमि, प्रयागराज। जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री शुक्रवार को हण्डिया के लाक्षागृह में गोवंश आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने गोवंशों की बेहतर ढंग से देखरेख किए जाने के लिए उप पशुचिकित्साधिकारी को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई तथा और वहां पर शेड बनाने के निर्देश दिये तथा जो गोवंश अस्वस्थ है, उन्हें चिन्हित कर अलग रखने तथा उसका समुचित उपचार करने के निर्देश दिये है तथा गोवंशों के लिए भूसा, चुनी, चोकर की पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था उपलब्ध कराने के निर्देश दिये है। उन्होंने गोवंश आश्रय स्थल में गोवंशों के लिए 5 से 6 माह तक का भूसा एकत्र करके रखने के लिए कहा है। उन्होंने लाक्षागृह गोवंश संरक्षण केन्द्र को मॉडल गोवंश संरक्षण के रूप में बनाने के निर्देश दिये है। उन्होंने वहां उप पशुचिकित्साधिकारी से गोवंशों को दी जाने वाली दवाईयों की जानकारी ली तथा दवाओं की उपलब्धता के बारे में पूछा। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने लाक्षागृह में पर्यटन विभाग द्वारा बनवाये जा रहे निर्माण कार्यों को भी देखा तथा वहां प्रयोग किये जाने वाली सामाग्री का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल के प्रोजेक्ट मैनेजर को सख्त निर्देश दिये कि तय समयसीमा एवं गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जायेगा, नहीं तो सम्बंधित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने ग्राम चक-अब्दुला तहसील हण्डिया में कराये जा रहे राजकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय में चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित कार्यदायी संस्था यूपीपीसीएल एवं यूपी सिडकों के प्राजेक्ट मैनेजर को गुणवत्ता के साथ यथाशीघ्र निर्माण कार्य को पूर्ण कराये जाने निर्देश दिया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी हण्डिया तथा सम्बंधित अधिकारीगणों के साथ-साथ कार्यदायी संस्था के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दिल्लीवासी हो जाएं सावधान! अप्रैल में लू को लेकर मौसम विभाग ने जारी किया बड़ा अलर्ट

एजेंसी ।

राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को सुबह दिन की शुरुआत गर्मी के साथ हुई और न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री अधिक 21.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, सुबह साढ़े आठ बजे हवा में आर्द्रता का स्तर 48 प्रतिशत रहा। दिन में अधिकतम तापमान के 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने और तेज हवाएं चलने का पूर्वानुमान है। आईएमडी के अधिकारियों ने बताया कि लंबे समय तक शुष्क मौसम के कारण उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी बढ़ गई है। आईएमडी ने दिल्ली में तीन से सात अप्रैल के बीच 'भीषण लू को लेकर बड़ा अलर्ट जारी किया है। 3 अप्रैल को दिल्ली का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस रहेगा. वहीं 4 और 5 अप्रैल को 41 डिग्री , 6 और 7 अप्रैल को 42 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। श्रम मंत्रालय को भी उसी निर्देश का पालन करने और धूप के सीधे

संपर्क से बचने के लिए बाहर मजदूरों को शामिल करने से बचने की सलाह दी गई है। सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार और आग की घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए, अग्निशमन विभाग को सतर्क रहने का सुझाव दिया गया है।

'अच्छे दिन, बैंक खातों में 15 लाख रूपये जमा कराने के वादे सभी 'अप्रैल फूल के चुटकुले हैं: संजय राउत

एजेंसी ।

ईंधन के बढ़ते दाम एवं अन्य मुद्दों को लेकर केंद्र पर प्रहार करते हुए शिवसेना नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि ''अच्छे दिन और लोगों के बैंक खातों में 15 लाख रूपये जमा कराने के वादे कुछ नहीं बल्कि 'अप्रैल फूल डे के चुटकुले हैं। सरकार पर पिछले सात सालों में लोगों को बस बेवकूफ बनाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि उसे अब उनके कल्याण के लिए काम करना चाहिए क्योंकि आम आदमी के लिए यह 'जीवन एवं मृत्यु जैसी स्थिति है। एक अप्रैल को अप्रैल फूल दिवस के रूप में मनाया जाता है जब लोग एक दूसरे को मूर्ख बनाते हैं। राउत ने यहां संवाददाताओं से कहा, '' 'अच्छे दिन , नागरिकों के बैंक खातों में 15 लाख रूपये जमा कराने, पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर को भारत में मिलाने और रोजगार प्रदान करने के वादे कुछ नहीं बल्कि अप्रैल फूल के चुटकुले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को झूठ बोलना बंद करना चाहिए एवं लोगों के कल्याण के प्रति कटिबद्ध होना चाहिए क्योंकि आम आदमी के लिए यह 'जीवन एवं मृत्यु जैसी स्थिति है। सत्ता में आने से पहले 2014 में भाजपा ने कालाधन वापस लाने, हर नागरिक के खाते में 15 लाख रूपये जमा करने का वादा किया था। उस समय 'अच्छे दिन का वादा भगवा पार्टी के चुनाव अभियान में सबसे ऊपर था। शिवसेना नेता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए उस समय 'अच्छे दिन का वादा भगवा पार्टी के चुनाव अभियान में सबसे ऊपर था। शिवसेना नेता ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, '' यह कहना कि हम बदले की राजनीति नहीं करते हैं, भी अप्रैल फूल सीरीज का हिस्सा है जो पिछले सात सालों से देश में चल रहा है। उन्होंने कहा कि हाल में पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव के बाद पेट्रोल एवं डीजल के दाम बढ़ा दिये गये क्योंकि शासक हमेशा ही आम आदमी को उल्लू बनाते हैं। उन्होंने कहा, लोगों को सात सालों से मूर्ख बनाया जा रहा है। उनके भाई प्रदीप को धनशोधन जांच के सिलसिल में बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नागपुर के वकील सतीश उके और उनके भाई प्रदीप को धनशोधन जांच के सिलसिल में बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई का जिक्र करते हुए राउत ने कहा, '' यह चौंकाने वाली बात है कि सीबीआई एवं ईडी को गैरभाजपा शासित राज्यों में लाया जाता है। यह ऐसा नहीं है जहां केंद्रीय एजेंसियां आएं और आतंकित करने के लिए लोगों पर छापा मारें।

अब भारत में जल्द आएगी उड़ने वाली बस, नितिन गडकरी लाए एरियल ट्राम-वे चलाने का आइडिया

एजेंसी । देश में जल्द ही अब उड़ने वाली बस आएगी। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने अधिकारियों के साथ 'हवा में उड़ने वाली बस' के आइडिया के बारे में बातचीत की। सरकार भी इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। गडकरी ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। 'हवा में उड़ने वाली बस' यानी कि 'एरियल ट्राम-वे' एक अत्याधुनिक ट्रांसपोर्ट फैसिलिटी है। बढ़ते ट्रैफिक, मेट्रो अथवा मोनोरेल में बढ़ती भीड़ के चलते अब इस ट्रांसपोर्ट सिस्टम को भारत में भी अपनाने की बात चल रही है। पहाड़ी इलाकों में सफर को और आसान और सुगम बनाने में एरियल ट्राम-वे का बड़ा योगदान हो सकता है। पहाड़ी इलाकों की यात्रा के दौरान आपने देखा होगा कि किसी नदी या खाई को पार करने के लिए लोगों को रस्सी के सहारे एक छोर से दूसरे छोर पर जाते देखा होगा। अब अगर इसमें इलेक्ट्रिक मोटर और ट्रैक्शन कंट्रोल यूनिट जोड़ दिया जाए तो यह आज के जमाने की 'एरियल ट्राम-वे' बन जाएगी। अगर कभी आप जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड गए हैं तो आपने गंडोला का सफर जरूर किया होगा। कई लोग इसे एरियल ट्राम-वे समझ लेते हैं लेकिन यह वो नहीं है। गंडोला में एक ही रोप पर कई केबिन बंधे होते हैं, जबकि एक हॉलेज रोप (खींचने वाली रोप या रस्सी) होती जिस पर ये सारे केबिन लगातार मूवमेंट करते हैं। जबकि एरियल ट्राम-वे गंडोला से अलग है। सामान्य तौर पर एरियल ट्राम-वे में एक रूट पर दो ही केबिन होते हैं जो लोहे के रस्सों पर बंधे होते हैं। जब एक बेबिन नीचे होता है तो दूसरा ऊपर हो जाता है, यह बैलेंस बनाकर रखते हैं। एरियल ट्राम-वे की सबसे खास बात है कि इसमें करीब 230 यात्री सफर कर सकते हैं और अपने साथ सामान भी ले जा सकते हैं। इसकी स्पीड भी 45 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है।

इस्तीफा नहीं देंगे इमरान खान, अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान का सामना करेंगे

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने नेशनल असेंबली में बहुमत खोने के बावजूद बृहस्पतिवार को कहा कि वह इस्तीफा नहीं देंगे और 'अंतिम गेंद तक खेलेंगे।' साथ ही, उन्होंने कहा कि वह रविवार को होने वाले अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान का सामना करेंगे, जिसमें फैसला होगा कि देश किस दिशा में जाएगा। राष्ट्र के नाम सीधे प्रसारण वाले एक संबोधन में खान (69) ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव पर मतदान का चाहे जो भी नतीजा आए, वह और अधिक मजबूत होकर लौटेंगे। खान ने 'धमकी वाले एक पत्र' पर भी चर्चा की, जिसे उन्होंने कथित तौर पर उनकी गठबंधन सरकार को गिराने के लिए विदेशी साजिश का ''सबूत'' बताया है। उन्होंने इस धमकी के पीछे अमेरिका का नाम लिया, जो शायद जुबान फिसलने के कारण हुआ। खान ने ऐसे वक्त राष्ट्र को संबोधित किया है, जब उन्होंने अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ में फूट के बाद संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली में बहुमत खो दिया है। उनके दो सहयोगी दलों ने भी अपना समर्थन वापस ले लिया और विपक्षी खेमे के साथ जा मिले। प्रधानमंत्री ने कहा, ''देश को तय करना चाहिए कि देश को कहां जाना चाहिए...मैं हमेशा आखिरी गेंद तक खेला हूं। मैं कभी इस्तीफा नहीं दूंगा।'' खान ने कहा, ''मेरे खिलाफ जाने वालों को इस्तीफा दे देना चाहिए था...उन्हें पैसे के लिए खुद को नहीं बेचना चाहिए था।'' खान ने कहा, ''हमारी नीति अमेरिका विरोधी, यूरोप, या यहां तक कि भारत विरोधी नहीं थी...नयी दिल्ली द्वारा अगस्त 2019 में अंतरराष्ट्रीय कानून को तोड़ने और कश्मीर का विशेष दर्जा हटाने के बाद यह भारत विरोधी बन गई।'' बगावत करने वाले सांसदों को ''गद्दार'' बताते हुए खान ने कहा कि उन्होंने उनसे (सांसदों को) वापस आने और सरकार गिराने के प्रयास को विफल करने का अनुरोध किया था, लेकिन इसे नजरअंदाज किया गया। रविवार को संसद में अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने का संकल्प लेते हुए खान ने कहा, ''मैं साजिश के खिलाफ लड़ूंगा और इसे कभी सफल नहीं होने दूंगा।''

खान के संबोधन के कुछ घंटे पहले विपक्षी सांसदों द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पर तत्काल मतदान की मांग के बाद डिप्टी स्पीकर कासिम सूरी ने रविवार तक नेशनल असेंबली का सत्र स्थगित कर दिया। नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता शहबाज शरीफ ने 28 मार्च को प्रधानमंत्री के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था।

मुश्किल वक्त में पूर्व पत्नी रेहम खान ने इमरान खान और सिद्धू का उड़ाया मजाक, कपिल शर्मा को भी लपेटा

इंटरनेशनल डेस्क।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान इन दिनों काफी मुश्किलों कम होने का नाम नहीं ले रही है। इस मुश्किल घड़ी में उनकी पूर्व पत्नी ने भी तंज कसा है। रेहम खान ने कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू और इमरान खान की तस्वीर पोस्ट की है, इस मीम में दोनों नेता आपस में बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं, तस्वीर के ऊपर लिखा है, मैंने सब इंतजाम कर लिया है, आईपीएल में कमेंट्री करेंगे दोनों भाई मिलकर, इस पर इमरान की पूर्व पत्नी ने कमेंट कर लिखा, मैं कपिल शर्मा शो को एक बेहतर मैच मानती हूं। आपको बतां दे कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने गुरुवार को अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को विदेशी ताकतों और देश के भ्रष्ट विपक्षी नेताओं के बीच की गहरी साजिश करार देते हुए कहा कि वे इसके आगे नहीं झुकेंगे और आखिरी दम तक इसका मुकाबला करेंगे। पाकिस्तान की जनता के नाम टेलीविजन पर सीधे प्रसारण में संबोधन करते हुए क्रिकेट से राजनीति में आए इमरान खान ने कहा कि यह समय पाकिस्तान का भविष्य तय करने वाला समय है। पाकिस्तान का मकसद इस्लामी कल्याणकारी सरकार बनना था। हमारे घोषणापत्र में इंसाफ, इंसानियत और खुद्दारी सबसे ऊपर थी। उन्होंने कहा कि मैं राजनीति में एक सपना लेकर आया, मेरे पास किसी चीज की कमी नहीं थी। पाकिस्तान से दूसरे देश सीखते थे लेकिन मैंने पाकिस्तान को नीचे आते देखा, जलील होते देखा है। उन्होंने कहा,''मैंने जब 25 साल पहले राजनीति शुरू की थी, तो हमेशा कहता था कि मैं किसी के आगे नहीं झुकूंगा और अपनी कौम को किसी की गुलामी नहीं करने दूंगा।'' प्रधानमंत्री खान ने कहा कि हमने अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ अमेरिका के साथ लड़े, बड़ी संख्या में मुजाहिदों को प्रशिक्षित किया, लेकिन इस लड़ाई के बाद हमें कोई श्रेय नहीं मिला। खान ने कहा कि वह पाकिस्तान की विदेश नीति को पाकिस्तान के 22 करोड़ लोगों के हित में बनाना चाहते हैं। यह नीति अमेरिका यूरोप या भारत के खिलाफ नहीं है। इमरान खान ने अपने संबोधन में भारत का भी जिक्र किया ।

पाक ने अमेरिकी राजनयिक को तलब कर अंदरूनी मामलों में 'हस्तक्षेप' के प्रति कड़ी प्रतिक्रिया दर्ज कराई

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान ने अमेरिका के एक वरिष्ठ राजनयिक को यहां तलब कर देश के अंदरूनी मामलों में अमेरिका के कथित हस्तक्षेप के प्रति कड़ी प्रतिक्रिया दर्ज कराई। शुक्रवार को मीडिया में प्रकाशित खबरों में यह जानकारी सामने आई। अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री इमरान खान के उस बयान को सिरे से खारिज कर दिया था जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें सत्ता से बेदखल करने के लिए एक ÷विदेशी साजिश÷ वाशिंगटन की भूमिका है। सीधे प्रसारण में देश को संबोधित करने के दौरान 69 वर्षीय खान ने 'धमकी भरे एक पत्र' का उल्लेख किया और कहा कि स्वतंत्र विदेश नीति पर चलने के लिए उन्हें सत्ता से अपदस्थ करने की विदेशी साजिश रची गई है। उन्होंने कहा कि धमकी वाले पत्र के पीछे अमेरिका का हाथ है। हालांकि, माना जा रहा है कि जुबान फिसलने के कारण खान ने अमेरिका का नाम लिया। दुनिया न्यूज की खबर के मुताबिक, सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने धमकी भरे पत्र के मुद्दे पर अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। पत्र के मुद्दे पर अमेरिकी राजनयिक को तलब किया। पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद द्वारा बृहस्पतिवार को लिए गए निर्णय के बाद यह कदम उठाया गया। विदेश मंत्रालय ने, औपचारिक संवाद के दौरान विदेशी अधिकारी द्वारा इस्तेमाल किये गए लहजे पर अमेरिकी राजनयिक को कड़ी आपत्ति जताने वाला एक पत्र भी सौंपा। खान द्वारा जिस कथित पत्र का उल्लेख किया गया उसमें चेतावनी दी गई थी कि अगर खान के विरुद्ध विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव गिर जाता है तो इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। दुनिया न्यूज की खबर के अनुसार, अमेरिकी राजनयिक से कहा गया कि पकिस्तान के अंदरूनी मामलों में दखलअंदाजी अस्वीकार्य है।

चीन में क्रैश बोइंग 737 विमान के अब तक 49,117 टुकड़े बरामद

बीजिंग।

'चाइना ईस्टर्न एयरलाइंस के दुर्घटनाग्रस्त हुए 'बोइंग 737-800 विमान के अभी तक 49,000 से अधिक टुकड़े बरामद हुए हैं। चीन के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। 'चाइना ईस्टर्न एयरलाइन्स की उड़ान एमयू5735 कुनमिंग से दक्षिणपूर्वी चीन के ग्वांगझू जाते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी। हादसे में विमान में सवार सभी 132 लोग मारे गए थे। दुर्घटना के बाद आसपास के इलाके में आग भी लग गई थी। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ के अनुसार, चीन के नागरिक उड्डयन प्रशासन के विमानन सुरक्षा मामलों के निदेशक झू ताओ ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि वुझोउ में करीब 10 दिनों के तलाश अभियान में 'हॉरिजॉन्टल स्टेबलाइज़र, इंजन और 'राइट विंग टिप के अवशेष सहित विमान के कुछ महत्वपूर्ण हिस्सों के टुकड़े बरामद हुए हैं। ताओ ने बताया कि दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इसमें विमान का बिना किसी चेतावनी के गिर जाना, गिरने के बाद हवाई यातायात नियंत्रकों को

पायलटों से कोई जवाब ना मिलना और मलबे में विमान के बेहद छोटे-छोटे टुकड़े मिलना शामिल है। गुआंग्शी सरकार के एक अधिकारी झांग जहिबेन ने बताया कि 22,000 क्यूबिक मीटर (8,00,000 क्यूबिक फीट) से अधिक मिट्टी की खुदाई की गई और विमान के 49,117 टुकड़े मिले हैं।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका में आर्थिक संकट- न पेट्रेल न डीजल, बिजली कट से भी परेशान लोग...गुस्साई भीड़ ने घेरा राष्ट्रपति आवास

इंटरनेशनल डेस्क। श्रीलंका में गहराते आर्थिक संकट और काफी लंबे समय तक बिजली उपलब्ध न रहने के चलते लोगों का गुस्सा फुट पड़ा। गुरुवार देर रात को राजधानी में राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के निजी आवास के बाहर हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारी जमा हुए। यहां इकट्ठा हुए आक्रोशित लोगों की भीड़ को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को आंसू गैस छोड़ने पड़े और पानी की तेज बहाव का छिड़काव करना पड़ा। । प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान हाथों में तख्तियां लेकर 'गोटा घर वापस जाओ सहित सरकार विरोधी कई नारे लगाए और सरकार से इस्तीफे की मांग की क्योंकि उनके द्वारा देश की अर्थव्यवस्था को सही से नहीं संभाला जा सका है। बता दें कि पिछले कुछ हफ्तों से श्रीलंका में आर्थिक सकंट इतना गहरा गया है कि यहां खाद्य पदार्थों, ईंधन और रसोई गैस की भारी किल्लत हो गई है। आसमान छूती महंगाई से लोगों का गुस्सा फुट पड़ा है । श्रीलंका के पास विदेशी मुद्रा की कमी हो गई है, जिस कारण यह पुराने कर्जों को नहीं चुका पा रहा है। कर्ज चुकाने के लिए श्रीलंका के पास पर्याप्त मात्रा में डॉलर भी नहीं है। श्रीलंका में यह आर्थिक संकट इस साल की शुरुआत से गहराया है, जिससे यहां के लोग काफी प्रभावित हैं।

यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा संचालक कंपनी ने कहा- रूसी सैनिक छोड़ रहे हैं चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र

ल्वीव। रूसी सैनिक चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र को छोड़कर बेलारूस के साथ लगी यूक्रेन की सीमा की ओर बढ़ रहे हैं। यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा संचालक कंपनी ने यह जानकारी दी। परमाणु ऊर्जा संचालक कंपनी एनर्जोएटम ने कहा कि रूसी सेना नजदीक के शहर स्लावुटिक को छोड़ने की भी तैयारी कर रही है, जहां परमाणु ऊर्जा संयंत्र के कर्मचारी रहते हैं। एनर्जोएटम के मुताबिक प्राप्त रिपोर्टों में इस बात की पुष्टि हुई है कि रूसी सैनिकों ने चेर्नोबिल संयंत्र के आस-पास के 10 किलोमीटर वर्ग क्षेत्र में रेड फॉरेस्ट इलाके में खाईयां भी खोदी थीं। रूसी सैनिकों को विकिरण का भी सामना करना पड़ा था। विकिरण के कारण रूसी सैनिक बीमार पड़ने लगे और इसके बाद चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र को छोड़ने का फैसला लिया गया।

रूसी सैनिकों ने चेरनोबिल प्लांट छोड़ना शुरू किया : यूक्रेन की न्यूक्लियर एजेंसी

इंटरनेशनल डेस्क। रूसी सैनिक चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र को छोड़कर बेलारूस के साथ लगी यूक्रेन की सीमा की ओर बढ़ रहे हैं। यूक्रेन की परमाणु ऊर्जा संचालक कंपनी ने यह जानकारी दी। परमाणु ऊर्जा संचालक कंपनी एनर्जोएटम ने कहा कि रूसी सेना नजदीक के शहर स्लावुटिक को छोड़ने की भी तैयारी कर रही है, जहां परमाणु ऊर्जा संयंत्र के कर्मचारी रहते हैं। एनर्जोएटम के मुताबिक प्राप्त रिपोर्टों में इस बात की पुष्टि हुई है कि रूसी सैनिकों ने चेर्नोबिल संयंत्र के आस-पास के 10 किलोमीटर वर्ग क्षेत्र में रेड फॉरेस्ट इलाके में खाईयां भी खोदी थीं। रूसी सैनिकों को विकिरण का भी सामना करना पड़ा था। विकिरण के कारण रूसी सैनिक बीमार पड़ने लगे और इसके बाद चेर्नोबिल परमाणु ऊर्जा संयंत्र को छोड़ने का फैसला लिया गया।

इमरान खान के पास नाम, पैसा, शोहरत, सबकुछ है, मगर अकल नहीं- पूर्व पत्नी रेहम खान ने ट्विट कर कसा तंज

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने गुरुवार को अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को विदेशी ताकतों और देश के भ्रष्ट विपक्षी नेताओं के बीच की गहरी साजिश करार देते हुए कहा कि वे इसके आगे नहीं झुकेंगे और आखिरी दम तक इसका मुकाबला करेंगे। हालांकि, इमरान खान दावा कर रहे हैं कि वह सरकार में बने रहेंगे और विपक्ष के दावों में कोई दम नहीं है वहीं इस बीच इमरान खान की पूर्व पत्नी रेहम खान का भी बड़ा बयान सामने आया है। इमरान पर तंज कसते हुए रेहम खान ने ट्विट कर लिखा कि इस इंसान को कुछ नहीं चाहिए। इमरान खान ने अपनी जिंदगी में सबकुछ हासिल किया है। नाम, पैसा, शोहरत, इज्जतज. इस आदमी के पास सबकुछ है, मगर अकल नहीं। बता दें कि रेहम और इमरान की शादी के 6 महीने बाद ही उनका तलाक हो गया था। 6 जनवरी 2015 को दोनों की शादी हुई थी। रेहम खान ने कहा कि इमरान के इस्तीफा देने का वक्त खत्म हो चुका है। कल भी समय था उनके पास कि वे इस्तीफा दे देते। रेहम ने कहा कि इमरान खान चोर दरवाजे से सत्ता में आए थे। इमरान ने वसूलों की परवाह नहीं की। मैं नवंबर 2021 से पाकिस्तान में हूं। मैंने बहुत कुछ देखा है। रेहम खान ने कहाकि 177 सांसद विपक्ष के पास सांसद हैं, इसमें वे लोग शामिल नहीं हैं जो इमरान के खिलाफ वोट नहीं डालना चाहते हैं। मैंने पहले ही बता दिया था कि क्या होने वाला है। मैं चीजों को बारिकी से देखती हूं, इसलिए हमारी शादी नहीं चल सकी। यही वजह है कि बहुमत के बावजूद वे डक पर आऊट हो गए।

इमरान की पूर्व पत्नी ने कहा कि मैं कर्म में भरोसा करती हूं। इमरान और बुशरा ने जो मेरे खिलाफ एजेंडा चलाया, मेरे बारे में क्या नहीं कहा गया, ये अफसोस की बात है। रेहम ने कहा कि इमरान खान के लिए अविश्वास प्रस्ताव बर्दाश्त के बाहर है। इमरान खान की पूर्व पत्नी ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल में पाकिस्तान के लिए कुछ नहीं किया। उन्होंने खुद को भी तबाह किया और मुझे भी तबाह किया।

अमेरिकी डिप्टी एनएसए ने भारत को किया आगाह, एलएसी पर चीनी गतिरोध में रूस नहीं देगा साथ

नई दिल्ली।

अमेरिका ने बृहस्पतिवार को आगाह किया कि रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों में गतिरोध पैदा करने वाले देशों को अंजाम भुगतने पड़ेंगे। साथ ही, यह भी कहा कि वह रूस से ऊर्जा एवं अन्य वस्तुओं का भारत के आयात में 'तीव्र वृद्धि देखना नहीं चाहेगा। अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) दलीप सिंह ने मास्को एवं बीजिंग के बीच ''असीमित साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि भारत को यह अपेक्षा नहीं करनी चाहिए कि यदि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) का उल्लंघन करता है तो रूस, भारत की रक्षा करने के लिए दौड़ा चला आएगा। विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला सहित भारतीय वार्ताकारों के साथ कई बैठकें करने के बाद सिंह ने यह भी कहा कि अमेरिका किसी भी देश को रूसी केंद्रीय बैंक के साथ वित्तीय लेनदेन में शामिल होते नहीं देखना चाहेगा। सिंह ने कहा कि भारत का रूसी ऊर्जा का मौजूदा आयात अमेरिका के किसी प्रतिबंध (रूस के खिलाफ) का उल्लंघन नहीं करता है क्योंकि अमेरिका ने रूस से ऊर्जा की आपूर्ति को छूट दे रखी है, लेकिन साथ ही वाशिंगटन अपने सहयोगियों को ''गैर भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता पर अपनी निर्भरता घटाने के रास्ते तलाशते भी देखना चाहेगा। रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों का मसौदा तैयार करने में अहम भूमिका निभाने वाले अमेरिकी डिप्टी एनएसए दो दिनों की यात्रा पर बुधवार को नयी दिल्ली आए। यूक्रेन पर रूस के हमले को लेकर मास्को की आलोचना नहीं करने के भारत के रुख पर पश्चिमी देशों में बेचैनी बढ़ने की पृष्ठभूमि में उनकी यह यात्रा हुई है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''हम डॉलर आधारित वित्तीय प्रणाली की अनदेखी करने वाले तंत्र या हमारे वित्तीय प्रतिबंधों में गतिरोध उत्पन्न करने वाले तंत्र को नहीं देखना चाहेंगे।%% अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव भारत की अपनी दो दिवसीय यात्रा पर आए हैं, जिसमें नयी दिल्ली के रूसी तेल खरीदने सहित द्विपक्षीय व्यापार के लिए रूबल(रूसी मुद्रा)-रुपया भुगतान तंत्र पर चर्चा देखने को मिल सकती है। सिंह ने कहा, ''हम यह नहीं देखना चाहेंगे कि रूस से भारत के आयात में तीव्र वृद्धि हो क्योंकि यह ऊर्जा या किसी अन्य निर्यात से जुड़ी होगी जिस पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा रखा है या अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हैं। सिंह ने रूस से रियायती दर पर तेल खरीदने के भारत के फैसले के बारे में पूछे जाने पर यह कहा। उन्होंने कहा कि अमेरिका, भारत की ऊर्जा और रक्षा उपकरणों की जरूरत को पूरा करने में मदद करने को तैयार है। उन्होंने कहा, ''रूस ने कहा है कि चीन उसका सर्वाधिक महत्वपूर्ण साझेदार है, जिसका भारत के लिए वास्तविक निहितार्थ है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ इस संबंध में रूस जूनियर साझेदार होने जा रहा है। प्रभाव बनायेगा, वह भारत के लिए उतना ही कम अनुकूल होगा।

अमेरिका ने तालिबान से मीडिया पर प्रतिबंधों का लिया बदला ! अफगानिस्तान के लिए सैटेलाइट टीवी चैनल किया लॉन्च

वॉशिंगटन। अफगानिस्तान में तालिबान द्वारा टेलीविजन से वॉयस ऑफ अमेरिका और ब्रिटिश ब्रॉड कास्ट के प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने के एक दिन बाद, अमेरिकी सरकार द्वारा वित्त पोषित समाचार एजेंसी ने मंगलवार को अफगानिस्तान के लिए 24/7 डायरेक्ट-टू-होम सैटेलाइट-डिलीवर टेलीविजन चैनल लॉन्च किया। इससे पहले अमेरिकी विदेश विभाग ने तालिबान शासकों से पत्रकारों और मानवाधिकार रक्षकों को स्वतंत्र रूप से और बिना किसी डर के काम करने की अनुमति देने का आग्रह किया था जिसे तालिबान सरकार ने ठुकरा दिया था। वीओए ने घोषणा की कि नया चैनल देश की पश्तो और दारी दोनों भाषाओं में ÷बिना सेंसर वाले समाचार और सूचना÷ प्रसारित करेगा। बता दें कि 27 मार्च को, तालिबान ने वीओए-संबद्ध अफगान टेलीविजन स्टेशनों को वीओए कार्यक्रमों को दिखाने से रोकने का आदेश दिया। बता दें कि 27 मार्च को, तालिबान ने वीओए-संबद्ध अफगान टेलीविजन बता दें कि 27 मार्च को, तालिबान ने वीओए-संबद्ध अफगान टेलीविजन स्टेशनों को वीओए कार्यक्रमों को दिखाने से रोकने का आदेश दिया। तालिबान नीतियों को कमजोर करने वाली सामग्री पर व्यापक प्रतिबंध के हिस्से के रूप में, जिसमें महिलाओं को पुरुषों के साथ न्यूजकास्ट एंकरिंग करने से रोकना शामिल है। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) और ड्यूश वेले ने यह भी बताया कि तालिबान के नए दिशानिर्देशों के कारण उनके स्थानीय प्रसारण भागीदारों को अफगानिस्तान में उनके प्रोग्रामिंग को प्रसारित करने से रोक दिया गया है।

अमेरिका आने वाले एक लाख शरणार्थियों की मदद की तैयारी कर रहे यूक्रेनी लोग

इंटरनेशनल डेस्क। यूक्रेन के एक लाख लोगों को शरण देने की अमेरिका की घोषणा के बाद सेक्रामेंटो और सिएटल जैसे शहरों में पहले से मौजूद यूक्रेनी लोग युद्धग्रस्त देश से भागकर आए लोगों को भोजन, आश्रय और सहायता प्रदान कर रहे हैं। संघीय सरकार ने अभी यह नहीं बताया है कि यूक्रेन के लोगों को कब तक औपचारिक रूप से अमेरिका में बसाया जाएगा, लेकिन अमेरिका में पहले से मौजूद यूक्रेनी समूह दूसरे रास्तों से देश में आ रहे लोगों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। सेक्रामेंटो के पास हाउस ऑफ ब्रेड चर्च लोगों की टीमों को पोलैंड भेज रहा है। इसके अलावा वह चर्च के सदस्य परिवारों को कैलिफॉर्निया में आने वाले लोगों को आश्रय देने के लिये तैयार कर रहा है। फरवरी के अंतिम सप्ताह में युद्ध शुरू होने के बाद से लगभग 36 लाख लोग यूक्रेन से भाग चुके हैं। इसके अलावा लाखों लोग देश में ही विस्थापित हुए हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन ने पिछले सप्ताह कहा था कि अमेरिका यूक्रेन के एक लाख शरणार्थियों को शरण देगा। इसके अलावा उन्होंने कहा था कि अमेरिका पलायन से प्रभावित देशों को मानवीय सहायता के रूप में एक अरब डॉलर प्रदान करेगा। लूथरन इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी सर्विस की अध्यक्ष कृष ओ मारा विग्नराजह ने कहा कि एक लाख यूक्रेनी लोगों को शरण देने की अमेरिका की प्रतिबद्धता छोटी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि शरणार्थी पुनर्वास कार्यक्रम के अलावा, उनकी मुख्य अपील मानवीय पैरोल की मांग करना है। प्रवासन नीति संस्थान द्वारा विश्लेषण किए गए जनगणना के आंकड़ों के अनुसार, सेक्रामेंटो क्षेत्र में लगभग 18,000 यूक्रेनी लोग रहते हैं, जो कहीं और के मुकाबले सबसे अधिक हैं। सिएटल, शिकागो और न्यूयॉर्क शहर में भी यूक्रेन के लोग रहते हैं।

एस जयशंकर ने सर्गेई लावरोव के साथ की मुलाकात, दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने इन मुद्दों पर की चर्चा

नेशनल डेस्क।

विदेश मंत्री एस् जयशंकर ने अपने रूसी समकक्ष सर्गेई लावरोव के साथ शुक्रवार को यहां मुलाकात की और कहा कि भारत ने अपने 'एजेंडे% का विस्तार करते हुए सहयोग में विविधता लाने की कोशिश की है। जयशंकर ने कहा कि हमारी आज की बैठक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्याप्त तनावपूर्ण स्थिति में हो रही है और भारत हमेशा से मतभेदों या विवादों को बातचीत तथा कूटनीति के जरिये सुलझाने का पक्षधर रहा है। जयशंकर ने लावरोव के साथ वार्ता के दौरान ये बातें कहीं। वहीं, रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि अतीत में कई मुश्किल मौकों पर भी दोनों देशों के बीच संबंध चिरस्थायी बने रहे। उन्होंने कहा, ''हमें संतुलित विश्व में रूचि है जो इसे टिकाऊ बनाता है। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने जयशंकर के साथ वार्ता के दौरान मौजूदा स्थिति में भारत के रुख की सराहना की। जयशंकर एवं लावरोव के बीच यह बैठक ऐसे समय में हुई जब एक दिन पहले ही अमेरिका ने आगाह किया कि रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों में गतिरोध पैदा करने वाले देशों को अंजाम भुगतने पड़ेंगे। भारत और रूस के बीच यह उच्च-स्तरीय बैठक उन संकेतों की पृष्ठभूमि में हुई जिसमें व्यापक छूट पर रूस से बड़ी मात्रा में तेल खरीदने की भारत की संभवनाओं तथा द्विपक्षीय व्यापार के लिए रुपये-रूबल की विनिमय व्यवस्था की बात सामने आई। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव बृहस्पतिवार को दो-दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर भारत पहुंचे। वह चीन की यात्रा समाप्त करने के बाद भारत आए हैं। यूक्रेन पर पिछले महीने रूस के आक्रमण के बाद से उनकी यहां की यह पहली यात्रा है। रूसी विदेश मंत्री लावरोव के भारत पहुंचने से कुछ ही घंटे पहले अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) दलीप सिंह ने आगाह किया था कि रूस के खिलाफ अमेरिकी प्रतिबंधों में गतिरोध पैदा करने वाले देशों को अंजाम भुगतने पड़ेंगे।

भारतीय वार्ताकारों के साथ कई बैठकें करने के बाद सिंह ने यह भी कहा था कि अमेरिका किसी भी देश को रूसी केंद्रीय बैंक के साथ वित्तीय लेनदेन में शामिल होते नहीं देखना चाहेगा। सूत्रों ने बताया कि रूस द्वारा एस-400 मिसाइल प्रणाली के कलपुर्जे और विभिन्न सैन्य साजो-सामान की समय पर आपूर्ति सुनिश्चित करने पर भारत के जोर देने की संभावना भी है। कई अन्य प्रमुख शक्तियों के विपरीत, भारत ने अभी तक यूक्रेन पर आक्रमण के लिए रूस की आलोचना नहीं की है ।

सुविचार

सर्वसाधारण जनता की उपेक्षा एक बड़ा राष्ट्रीय अपराध है। - स्वामी विवेकानंद

संपादकीय

युद्ध के समय भारत

भारत इन दिनों जितने दबाव में है, उतनी ही मांग में भी है। दुनिया के अनेक आला देशों के आला अधिकारियों व नेताओं ने भारत की ओर रुख कर रखा है। विशेष रूप से जब से रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध की शुरुआत हुई है, तब से भारत में किसी न किसी विदेश मंत्री या विदेश सेवा के अधिकारी की मौजूदगी देखी जा रही है। भारत की तटस्थ स्थिति ने दुनिया की महाशक्तियों को बेचैन कर रखा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने यूक्रेन का पक्ष तो लिया है, लेकिन वह रूस के खिलाफ भी नहीं गया है। ऐसे में, यह धारणा फैल गई है कि भारत को जिस तरह से नाटो का साथ देना चाहिए, वह नहीं दे रहा है। अतः भारत न केवल अमेरिका की ओर से, बल्कि यूरोपीय देशों की ओर से भी दबाव में है। अमेरिका, रूस, चीन, मैक्सिको, नीदरलैंड, ब्रिटेन इत्यादि देशों के कूटनीतिज्ञ भारत पर लगातार नजर रखे हुए हैं और अपनी-अपनी ओर इसे खींचने की कोशिश कर रहे हैं। यह महज संयोग नहीं है कि जब रूस के विदेश मंत्री सर्गेस लावरोव भारत यात्रा पर हैं, तब अमेरिका के उप-राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दलीप सिंह भी भारत में मौजूद हैं। रूस भारत से मदद चाहता है, तो अमेरिका भी चाहता है। अमेरिका कभी नहीं चाहेगा कि भारत किसी भी तरह से रूस की मदद करे, और रूस की भी कोशिश है कि वह भारत को युद्ध में नाटो के साथ खड़ा होने से रोके। दुर्दिन में भी भारत ने रूस से तेल खरीदने की मंजूरी देकर पिछले दिनों जो धमाका किया था, उसकी गूंज दुनिया में अभी भी है। अमेरिका, नाटो और यूरोपीय देशों ने यही समझा कि भारत पिछले दरवाजे से रूस की मदद करते रहना चाहता है, क्योंकि रूस उसका पुराना साथी है। सबसे बड़ी बात यह कि चीन अब रूस के साथ लगभग शाब्दिक रूप से खुलकर खड़ा हो गया है। ध्यान रहे, रूसी विदेश मंत्री चीन से होते हुए ही भारत आए थे। चीनी विदेश मंत्री भी हाल ही में भारत आए थे और भारत को अपने ढंग से मनाने की कोशिश भी की थी, लेकिन इस आपाधापी में चीन बिना किसी समझौते या रियायत के भारत के साथ व्यवसाय करते रहना चाहता है। इस मामले में रूस और अमेरिका कुछ अलग हैं, दोनों देशों के पास भारत को रिझाने के लिए कुछ न कुछ है। तेल, तकनीक, आईटी, शिक्षा, व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक लिहाज से भी अमेरिका अब भारत के ज्यादा करीब है। कभी रूस के प्रति भी भारत में बहुत लगाव था, लेकिन व्लादिमीर पुतिन के समय रूस ज्यादातर मौकों पर चीन के साथ खड़ा दिखा है और भारत से कुछ दूरी भी बनी है। जाहिर सी बात है कि हमारे विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इस वक्त देश के व्यस्ततम लोगों में शुमार हैं। कहने की जरूरत नहीं है कि आज तेजी से बदलती विश्व व्यवस्था में अपना देश निर्णायक मोड़ पर है। बहुत सोच-समझकर कदम आगे बढ़ाना चाहिए। किसी भी विदेशी नेता या अधिकारी के दबाव में न आते हुए, अपने देश के हित को सबसे ऊपर रखना है। यह युद्ध के चलते पीड़ित हो रहे देशों और उनके लोगों के प्रति संवेदना का समय है। युद्ध की निंदा और यूक्रेन की मदद में कोई कोर कसर न रहे, तो दुनिया भारत के पक्ष को समझेगी। किसी भी स्थिति में भारत को युद्ध में कूदने से बचना चाहिए। युद्ध विरोध की भावना और मानवता का दामन थामे हुए यह भी ध्यान रखना चाहिए कि दुनिया में भारत प्रेमियों की तादाद बढ़े, भारत विरोधियों की नहीं।

मां दुर्गा के नौ अलौकिक रूप

(नवरात्रि पर विशेष) (लेखक- योगेश कुमार गोयल)

भारतीय समाज और विशेषकर हिन्दू समुदाय में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरुआत 2 अप्रैल से हो रही है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके। मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया। मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है। चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं। दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है। दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है। दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है। नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं। नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

अब हिमाचल में दस्तक देती आप

रमेश पठानिया

पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों ने सबको चौंका दिया है, जिस तरह चार राज्यों में फिर से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी और पंजाब में भारी बहुमत से आम आदमी पार्टी को सफलता हासिल हुई। आम आदमी पार्टी की नज़र अब हिमाचल में होने वाले चुनावों पर है।आम आदमी पार्टी का गठन 2012 में दिल्ली में किया गया था, इंडिया अगेंस्ट करप्शन के बड़े आंदोलनों के बाद। उस आंदोलन ने युवाओं को जो सच में यह विश्वास रखते थे कि भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंका जा सकता है, बढ़-चढ़कर इन आंदोलनों में भाग लेने को प्रेरित किया। पार्टी के गठन के 10 साल के अंतराल में, हाल ही हुए चुनावों में दिल्ली के साथ-साथ पंजाब में भी अपनी सरकार बना ली। एक ऐसी पार्टी, जिसके पास कोई संगठन नहीं था, लेकिन जिस तरह से उन्होंने युवाओं और शिक्षित वर्ग को संगठित किया, वह तारीफ़ के योग्य है। आम आदमी पार्टी ने पिछले दस साल में बहुत तीव्रता और समझ-बूझ से काम किया है और उत्तरी भारत में अपनी पहचान बनाई है। दिल्ली के अतिरिक्त पंजाब पर भी अपना प्रभुत्व बना लिया है जबकि पार्टी को उत्तराखंड और गोवा में सफलता नहीं मिली। हिमाचल में सभी चुनावों में दो पार्टियों ने और स्थानीय दलों ने ही चुनाव लड़े हैं। स्थानीय दलों में वे विधायक जिन्हें पार्टी ने टिकट नहीं दिया उन्होंने अपना अलग से दल बनाया। वर्ष 1998 में पूर्व कांग्रेस नेता पंडित सुख राम ने 'हिमाचल विकास कांग्रेस' बनाई, और भाजपा का सहयोग किया, चुनाव भी जीता। कुल्लू से महेश्वर सिंह ने 2012 में 'हिमाचल लोकहित पार्टी' का गठन किया लेकिन उन्हें चुनाव में सफलता नहीं मिली और 2016 में पार्टी को भंग कर दिया गया और इसके बाद वह फिर से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। हिमाचल में चुनाव इतिहास में मुख्यतः दो दलों ने ही चुनाव लड़े हैं। हां, कम्युनिस्ट पार्टी ने काफी कोशिश की लेकिन उन्हें छात्र राजनीति से ज्यादा विधानसभा चुनावों में इक्का-दुक्का सीट ही मिली। हिमाचल में कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी प्रमुख हैं। बाहर की कोई दूसरी पार्टी अभी तक हिमाचल में अपने कदम स्थापित करने में सफल नहीं रही है और प्रदेश में जितने भी छोटे दल बने, उनमें से भी किसी को भी सफलता नहीं मिली। आम आदमी पार्टी को पंजाब के चुनावों में उम्मीद से ज्यादा सफलता मिली है, 117 सीटों में उनके पास 92 सीट हैं। भगवंत मान आये दिन नयी घोषणाएं कर आम जनता को चौंका रहे हैं जो जनहित में हैं। रूढ़िवादी राजनीति से पंजाब को पहली बार छुटकारा मिला है। पंजाब में बदलाव की नयी बयार है लेकिन आम आदमी पार्टी का यह प्रयोग बाकी राज्यों में सफल नहीं हुआ। आप की नज़र अब हिमाचल में होने वाले चुनावों पर है। आम आदमी पार्टी अगर हिमाचल में किसी तरह से अपनी पहचान बनाने में सफल हो जाए तो फिर उन्हें हरियाणा में चुनावों में अपनी पहचान बनाना और भी आसान हो जायेगा। इस तरह दिल्ली के करीब तीनों राज्यों को आम आदमी पार्टी अपनी सरकार दे सकती है। पिछले दिनों आम आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सुरेंद्र जैन को शिमला भेजा था। पार्टी हिमाचल में आने वाले चुनावों को गंभीरता से ले रही है, सदस्यता अभियान और दूसरी रणनीति तैयार की जा रही है। युवा वर्ग को रोजगार और दूसरे प्रलोभन देकर अपनी तरफ किया जाएगा। सोशल मीडिया के इस युग में आप की पहुंच दूरदराज़ के इलाकों में और भी आसान हो गयी है। आप कभी भी किसी से भी आभासी रूप से जुड़ सकते हैं। पंजाब में परंपरागत राजनीति को उखाड़ फेंकना सबसे जटिल कार्य था लेकिन आम आदमी पार्टी ने यह काम बड़ी निपुणता से किया। निःसंदेह हिमाचल के चुनाव इस बार बहुत दिलचस्प होने वाले हैं, क्या हिमाचल के लोग 'बाहर' की पार्टी को हिमाचल में आने देंगे। आम आदमी पार्टी क्या हिमाचल में अपनी जगह बना पाएगी, क्योंकि पहाड़ की सोच और समस्याएं बिलकुल अलग होती हैं। जैसे उत्तराखंड में आम आदमी पार्टी को अपने पैर जमाने में सफलता नहीं मिली, क्या हिमाचल में भी ऐसा होगा। यह तो आने वाला समय ही बताएगा, 10 साल पुरानी इस पार्टी के लिए यह कठिन जरूर है लेकिन असंभव नहीं। भाजपा की जी-तोड़ कोशिश रहेगी कि बाकी राज्यों की तरह हिमाचल में पुनः भारतीय जनता पार्टी की ही सरकार बने और एक नया उदाहरण कायम हो। कांग्रेस पार्टी को इस बार चुनाव में बहुत मेहनत करनी होगी, क्योंकि उनके पास राजा वीरभद्र सिंह जैसा नेता नहीं है, न ही उन्हें जनता से कोई सहानुभूति मिलेगी। अंदेशा है कि आम आदमी पार्टी हिमाचल में आने वाले चुनावों में सेंध लगा पाएगी या नहीं।

आज के कार्टुन

अपनापन

श्रीराम शर्मा आचार्य

जो भी वस्तुएं आपके आसपास मौजूद हैं, उनमें से कुछ आपको अच्छी लगती हैं, कुछ बुरी, कुछ की ओर ध्यान भी नहीं जाता। जो अच्छी लगती हैं, आप उनसे प्यार करते हैं, जो बुरी लगती हैं, उनसे घृणा। जो उपेक्षित हैं, उनकी ओर आंख उठाकर भी नहीं देखते। आइए, विचार करें कि वस्तुओं के अच्छा लगने का क्या कारण है? कहना ठीक नहीं कि गुणवान वस्तुएं स्वभावतः प्रिय लगती हैं। सच तो यह है कि जिस वस्तु में जितनी मात्रा में अपनापन-आत्मभाव, स्वार्थभाव है, वह उसी परिमाण में प्रिय लगती है, गुणरहित हो तो भी। आपका छोटा बालक है, रोना ही जानता है, दिन को रोता है, रात को रोकर नींद उचटा लेता है, गोदी में लें तो मल से कपड़ों को खराब कर देता है। उसमें एक भी गुण नहीं, दुर्गुण बहुत हैं, तो भी आप उसके लिए कपड़ों की, दूध की, दवा-दारू की खर्चीली व्यवस्था करते हैं, कष्ट उठाते हैं, फिर भी उसे प्यार करते हैं। कारण है कि उस बालक में आपका आत्मभाव है, अपनापन है। दूसरों के बच्चे आपके ऊपर टट्टी कर दें तो बुरा लगेगा। पडोसी का गोरा, सलौना बच्चा, अपने काले-कलूटे बच्चे से अच्छा थोड़े ही लगेगा? यहां सौंदर्य या गुण की प्रमुखता नहीं है, अपनेपन का महत्व है। एक मकान के आप मालिक हैं, वह अच्छा लगता है, उसकी अच्छाई की प्रशंसा करते नहीं थकते, टूट-फूट की मरम्मत, सजावट का ध्यान रखते हैं, संयोगवश यह मकान बिक कर दूसरे के हाथ चला जाता है, अब आप निश्चित हो गए टूट-फूट से कोई मतलब नहीं, आज फूट जाए चाहे हजार वर्ष खड़ा रहे? कल तक जो मकान इतना प्रिय था, आज ही उससे सारा संबंध छूट गया। इतनी अधिक विरक्ति का कारण क्या है? कारण है कि कल तक उसके साथ जो अपनापन चिपटा हुआ था, आज नहीं रहा। कल जिस रुपयों से भरी थैली को उत्साह से छाती से चिपटाए फिरते थे वह आज दूसरे व्यापारी के पास चली गई, यदि वे रु पए अब चोरी चले जाएं तो आपको कष्ट न होगा। उन रु पयों के बदले जो माल खरीदा है, वह अब प्यारा लगने लगा, कल वह माल भी पड़ोस में पड़ा था पर तब उसकी ओर आंख उठाकर भी न देखते थे, आज उसको सुरक्षित रखने के लिए चोटी का पसीना एड़ी तक बहा रहे हैं। माल वही कल था, वही आज है। अंतर केवल इतना कि आज अपना हो गया, अपनापन ही तो अच्छा लगने का कारण है।

सू-दोकू नवताल -2082

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

सू-दोकू - 2081 का हल

8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

बायें से दायें:-

1. ऋषि कपूर, मनीषा कोइराला की 'दिल की लगी कहीं ना जाए' गीत वाली फिल्म-4
4. ऋतिक रोशन, करिश्मा कपूर की फिल्म-2
6. 'सुबह सुबह जब खिड़की खोले' गीत वाली फिल्म-2
7. 'तेरी गलियों में ना रखेंगे कदम' गीत वाली फिल्म-3
9. प्रसिद्ध फिल्म 'मदर इंडिया' में शीर्षक भूमिका किस अभिनेत्री ने की थी-3
10. फिल्म 'रणभूमि' में ऋषि कपूर की नायिका-2
12. ऋषि कपूर और डिम्पल की फिल्म-2
13. गुलजार की फिल्म 'परिचय' में जया भादुड़ी के साथ नायक-3
14. प्रशांत और ऐश्वर्या की फिल्म-2
15. 'बाबा मेरी ये जवानी' गीतवाली फिल्म-2
16. जैकी श्रॉफ जूही, अमृता सिंह की फिल्म-3
19. राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-3
20. 'दुनिया का मेला, मेले में लड़की' गीत वाली हेमा मालिनी की फिल्म-2,2
21. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक की नायिका-3
23. अमिताभ बच्चन, मौसमी चटर्जी अभिनीत फिल्म-3
27. मिथुन, पद्मिनी की फिल्म-2
28. शत्रुघ्न, मिथुन, हेमा, अनीता राज की फिल्म-4
29. देव आनंद, माला सिन्हा की फिल्म-2
30. अविनाश वधावन, आयशा जुल्का की फिल्म-3
31. 'चंदा ने दी चांदनी' गीत वाली जीतेंद्र, जया प्रदा की फिल्म-1

फिल्म वर्ग पहेली- 2082

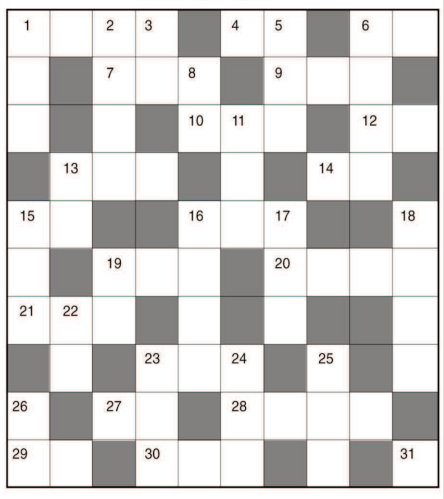

ऊपर से नीचे:-

1. जीतेंद्र, राज बब्बर, रीना राय परवीन बाबी अभिनीत फिल्म-3
2. 'हम को हमीं से चुरालो' गीतवाली फिल्म-4
3. सलमान खान, रेवती अभिनीत फिल्म-2
5. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली फिल्म-3
6. शाहरुख खान, जूही चावला की फिल्म-2,2
8. फिल्म 'सवेरे वाली गाड़ी' में पूनम ढिल्लो के साथ नायक-2
11. 'मेरा नाम बिल्लू-बिल्लू' गीतवाली फिल्म-3
13. सलमान, सनी, करिश्मा,तब्बू की फिल्म-2
15. सनी देओल, मीनाक्षी, ममता अभिनीत फिल्म-3
16. 'मेरे सपनों की रानी कब आएगी तू' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-4
17. 'तेरे बिन में कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-3
18. देव आनंद, नूतन अभिनीत फिल्म-4
19. फिल्म 'कभी हां कभी ना' में नायिका सुचित्रा कृष्णमूर्ति के किरदार का नाम-2
22. फिल्म 'प्यासा सावन' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-2
23. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
24. फिल्म 'परदेस' की नायिका कौन थी-3
25. 'रुके-रुके से कदम रुक के बार बार चले' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर अभिनीत फिल्म-3
26. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली फिल्म 'बाबू' में राजेश खन्ना के साथ नायिका कौन थी-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2081

चैत्र नवरात्रि क्यों मनाई जाती है, कारण जानकर हैरान रह जाएंगे

2 अप्रैल 2022 शनिवार से चैत्र नवरात्रि का पर्व प्रारंभ हो रहा है। इस पर्व में खासकर व्रत और साधना करके शक्ति संचय करने का महत्व रहता है। इसी दिन से हिन्दू नववर्ष नव संवत्सर यानी गुड़ी पड़वा का प्रथम दिन भी होता है। आओ जानते हैं कि चैत्र नवरात्रि मनाने का क्या है कारण।

चैत्र नवरात्रि मनाने का कारण क्या है

रम्भासुर का पुत्र था महिषासुर, जो अत्यंत शक्तिशाली था। उसने कठिन तप किया था। ब्रह्माजी ने प्रकट होकर कहा- 'वत्स! एक मृत्यु को छोड़कर, सबकुछ मांगो। महिषासुर ने बहुत सोचा और फिर कहा- 'ठीक है प्रभो। देवता, असुर और मानव किसी से मेरी मृत्यु न हो। किसी स्त्री के हाथ से मेरी मृत्यु निश्चित करने की कृपा करें।' ब्रह्माजी 'एवमस्तु' कहकर अपने लोक चले गए। वर प्राप्त करने के बाद उसने तीनों लोकों पर अपना अधिकार जमा कर त्रिलोकाधिपति बन गया। सभी देवता उससे परेशान हो गए।

तब सभी देवताओं ने आदिशक्त जगनंबा (अंबा) का आह?वान किया और तब देवताओं की प्रार्थना सुनकर मातारानी ने चैत्र नवरात्रि के दिन अपने अंश से 9 रूपों को प्रकट किया। इन 9 रूपों को देवताओं ने अपने-अपने शस्त्र देकर महिषासुर को वध करने का निवेदन किया। शस्त्र धारण करके माता शक्ति संपन्न हो गई। कहते हैं कि नौ रूपों को प्रकट करने का क्रम चैत्र माह की शुक्ल प्रतिपदा से प्रारंभ होकर नवमी तक चला। इसीलिए इन 9 दिनों को चैत्र नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है।

शारदीय नवरात्रि क्यों मनाते हैं, जानिए कारण:

देवी दुर्गा ने जब अपने 9 रूप प्रकट किए तो उन्होंने आश्विन माह की प्रतिपदा के दिन महिषासुर पर आक्रममण कर दिया और महिषासुर के साथ माता का 9 दिनों तक युद्ध चला। दसवें दिन माता ने उसका वध कर दिया। इसी की खुशी में दसवें दिन विजयादशमी मनाई जाती है। इसी दिन राम ने रावण का वध किया था इसीलिए दशहरा भी मनाते हैं।

विजयादशमी का पर्व माता कात्यायिनी दुर्गा द्वारा महिषासुर का वध करने के कारण मनाया जाता है जो कि श्रीराम के काल के पूर्व से ही प्रचलन में रहा है। इस दिन अस्त्र-शस्त्र और वाहन की पूजा की जाती है।

मां दुर्गा के नौ अलौकिक रूप

भारतीय समाज और विशेषकर हिन्दू समुदाय में नवरात्रि पर्व का विशेष महत्व है, जो आदि शक्ति दुर्गा की पूजा का पावन पर्व है। नवरात्रि के नौ दिन देवी दुर्गा के विभिन्न नौ स्वरूपों की उपासना के लिए निर्धारित हैं और इसीलिए नवरात्रि को नौ शक्तियों के मिलन का पर्व भी कहा जाता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से नवरात्रि की शुरुआत होती है और इस बार नवरात्रि पर्व की शुरूआत 2 अप्रैल से हो रही है। प्रतिपदा से शुरू होकर नवमी तक चलने वाले नवरात्र नवशक्तियों से युक्त हैं और हर शक्ति का अपना-अपना अलग महत्व है। नवरात्र के पहले स्वरूप में मां दुर्गा पर्वतराज हिमालय की पुत्री पार्वती के रूप में विराजमान हैं। नंदी नामक वृषभ पर सवार शैलपुत्री के दाहिने हाथ में त्रिशूल और बाएं हाथ में कमल का पुष्प है। शैलराज हिमालय की कन्या होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया। इन्हें समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक माना जाता है। दुर्गम स्थलों पर स्थित बस्तियों में सबसे पहले शैलपुत्री के मंदिर की स्थापना इसीलिए की जाती है कि वह स्थान सुरक्षित रह सके।

मां दुर्गा के दूसरे स्वरूप 'ब्रह्मचारिणी' को समस्त विद्याओं की ज्ञाता माना गया है। माना जाता है कि इनकी आराधना से अनंत फल की प्राप्ति और तप, त्याग, वैराग्य, सदाचार, संयम जैसे गुणों की वृद्धि होती है। 'ब्रह्मचारिणी' अर्थात् तप की चारिणी यानी तप का आचरण करने वाली। ब्रह्मचारिणी श्वेत वस्त्र पहने दाएं हाथ में अष्टदल की माला और बाएं हाथ में कमंडल लिए सुशोभित है। कहा जाता है कि देवी ब्रह्मचारिणी अपने पूर्व जन्म में पार्वती स्वरूप में थीं। वह भगवान शिव को पाने के लिए 1000 साल तक सिर्फ फल खाकर रहीं और 3000 साल तक शिव की तपस्या सिर्फ पेड़ों से गिरी पत्तियां खाकर की। इसी कड़ी तपस्या के कारण उन्हें ब्रह्मचारिणी कहा गया।

मां दुर्गा का तीसरा स्वरूप है चंद्रघंटा। शक्ति के रूप में विराजमान मां चंद्रघंटा मस्तक पर घंटे के आकार का आधा चंद्रमा है। देवी का यह तीसरा स्वरूप भक्तों का कल्याण करता है। इन्हें ज्ञान की देवी भी माना गया है। बाघ पर सवार मां चंद्रघंटा के चारों तरफ अद्भुत तेज है। इनके शरीर का रंग स्वर्ण के समान चमकीला है। यह तीन नेत्रों और दस हाथों वाली हैं। इनके दस हाथों में कमल, धनुष-बाण, कमंडल, तलवार, त्रिशूल और गदा जैसे अस्त्र-शस्त्र हैं। कंठ में सफेद पुष्पों की माला और शीष पर रत्नजड़ित मुकुट विराजमान हैं। यह साधकों को चिरायु, आरोग्य, सुखी और सम्पन्न होने का वरदान देती हैं। कहा जाता है कि यह हर समय दुष्टों का संहार करने के लिए तत्पर रहती हैं और युद्ध से पहले उनके घंटे की आवाज ही राक्षसों को भयभीत करने के लिए काफी होती है।

चतुर्थ स्वरूप है कुष्मांडा। देवी कुष्मांडा भक्तों को रोग, शोक और विनाश से मुक्त करके आयु, यश, बल और बुद्धि प्रदान करती हैं। यह बाघ की सवारी करती हुईं अष्टभुजाधारी, मस्तक पर रत्नजड़ित स्वर्ण मुकुट पहने उज्जवल स्वरूप वाली दुर्गा हैं। इन्होंने अपने हाथों में कमंडल, कलश, कमल, सुदर्शन चक्र, गदा, धनुष, बाण और अक्षमाला धारण की हैं। अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड को उत्पन्न करने के कारण इनका नाम कुष्मांडा पड़ा। कहा जाता है कि जब दुनिया नहीं थी तो चारों तरफ सिर्फ अंधकार था। ऐसे में देवी ने अपनी हल्की-सी हंसी से ब्रह्मांड की उत्पत्ति की। वह सूरज के घेरे में रहती हैं। सिर्फ उन्हीं के अंदर इतनी शक्ति है, जो सूरज की तपिश को सहन कर सकें। मान्यता है कि वही जीवन की शक्ति प्रदान करती हैं।

दुर्गा का पांचवां स्वरूप है स्कन्दमाता। भगवान स्कन्द (कार्तिकेय) की माता होने के कारण देवी के इस स्वरूप को स्कन्दमाता के नाम से जाना जाता है। यह कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसलिए इन्हें पद्मासन देवी भी कहा जाता है। इनका वाहन भी सिंह है। इन्हें कल्याणकारी शक्ति की अधिष्ठात्री कहा जाता है। यह दोनों हाथों में कमलदल लिए हुए और एक हाथ से अपनी गोद में ब्रह्मस्वरूप सनतकुमार को थामे हुए हैं। स्कन्द माता की गोद में उन्हीं का सूक्ष्म रूप छह सिर वाली देवी का है।

दुर्गा मां का छठा स्वरूप है कात्यायनी। यह दुर्गा देवताओं और ऋषियों के कार्यों को सिद्ध करने लिए महर्षि कात्यायन के आश्रम में प्रकट हुईं। उनकी पुत्री होने के कारण ही इनका नाम कात्यायनी पड़ा। देवी कात्यायनी दानवों व पापियों का नाश करने वाली हैं। वैदिक युग में ये ऋषि-मुनियों को कष्ट देने वाले दानवों को अपने तेज से ही नष्ट कर देती थीं। यह सिंह पर सवार, चार भुजाओं वाली और सुसज्जित आभा मंडल वाली देवी हैं। इनके बाएं हाथ में कमल और तलवार व दाएं हाथ में स्वस्तिक और आशीर्वाद की मुद्रा है।

दुर्गा का सातवां स्वरूप कालरात्रि है, जो देखने में भयानक है लेकिन सदैव शुभ फल देने वाला होता है। इन्हें 'शुभंकारी' भी कहा जाता है। 'कालरात्रि' केवल शत्रु एवं दुष्टों का संहार करती हैं। यह काले रंग-रूप वाली, केशों को फैलाकर रखने वाली और चार भुजाओं वाली दुर्गा हैं। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की तांडव मुद्रा में नजर आती हैं। इनकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती है। एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़ग-तलवार से उनका नाश करने वाली कालरात्रि विकट रूप में विराजमान हैं। इनकी सवारी गधा है, जो समस्त जीव-जंतुओं में सबसे अधिक परिश्रमी माना गया है।

नवरात्र के आठवें दिन दुर्गा के आठवें रूप महागौरी की उपासना की जाती है। देवी ने कठिन तपस्या करके गौर वर्ण प्राप्त किया था। कहा जाता है कि उत्पत्ति के समय 8 वर्ष की आयु की होने के कारण नवरात्र के आठवें दिन इनकी पूजा की जाती है। भक्तों के लिए यह अन्नपूर्णा स्वरूप हैं, इसलिए अष्टमी के दिन कन्याओं के पूजन का विधान है। यह धन, वैभव और सुख-शांति की अधिष्ठात्री देवी हैं। इनका स्वरूप उज्जवल, कोमल, श्वेतवर्णा तथा श्वेत वस्त्रधारी है। यह एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में डमरू लिए हुए हैं। गायन और संगीत से प्रसन्न होने वाली 'महागौरी' सफेद वृषभ यानी बैल पर सवार हैं।

नवीं शक्ति 'सिद्धिदात्री' सभी सिद्धियां प्रदान करने वाली हैं, जिनकी उपासना से भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कमल के आसन पर विराजमान देवी हाथों में कमल, शंख, गदा, सुदर्शन चक्र धारण किए हैं। सिद्धिदात्री देवी सरस्वती का भी स्वरूप हैं, जो श्वेत वस्त्रालंकार से युक्त महाज्ञान और मधुर स्वर से भक्तों को सम्मोहित करती हैं।

हिन्दू नववर्ष का क्या है गुड़ी पड़वा और नवसंवत्सर से कनेक्शन

अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार 2 अप्रैल 2022 शनिवार को हिन्दू नववर्ष प्रारंभ हो रहा है। आखिर हिंदू नववर्ष को क्यों कहते हैं गुड़ी पड़वा, विक्रम संवत और नव संवत्सर? आओ जानते हैं महत्वपूर्ण जानकारी जो हर हिन्दू को इसलिए जानना चाहिए ताकि उसके भ्रम का निदान हो।

कब प्रारंभ होता है हिन्दू नव वर्ष

हिन्दू नववर्ष हिन्दू कैलेंडर और पंचांग के अनुसार प्रतिवर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को प्रारंभ होता है। यानी चैत्र माह का कृष्ण पक्ष गुजर जाने के बाद अमावस्या के दूसरे दिन से यह नववर्ष प्रारंभ होता है। एक माह में 30 दिन होते हैं जिसे दो भागों में बांटा गया है कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष। चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ आदि हिन्दू महिनों के नाम है।

क्यों कहते हैं गुड़ी पड़वा

महाराष्ट्र या मराठी समाज में इस नववर्ष को गुड़ी पड़वा कहने का प्रचलन है। गुड़ी का अर्थ विजयी पताका और पड़वा का अर्थ प्रतिपदा होता है। सभी हिन्दी भाषी राज्यों में इसे गुड़ी पड़वा और नव संवत्सर के नाम से जाना जाता है, जबकि अन्य राज्यों में युगाड़ी, उगाड़ी, नव संवत्सर पड़वो, युगादि, नवरेह, चेटीचंड, विशु, वैशाखी, चित्रैय तिरुविजा, सजिबु नोंगमा पानबा या मेइतेई चेइराओबा के नाम से जाना जाता है।

क्यों कहते हैं विक्रम संवत

उज्जैन के सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी शकों को पराजित कर एक नए युग का सूत्रपात किया था और प्रतिपदा के दिन विजयोत्सव मनाया गया था। इसी के चलते राजा विक्रमादित्य के काल में खगोलविदों ने पहले से चले आ रहे प्राचीन ऋषि संवत और युधिष्ठिर संवत को अपडेट करके सबसे प्राचीन काल गणना के आधार पर ही प्रतिपदा के दिन को विक्रमी संवत के रूप में अभिषिक्त किया।

यानी इस दिन से उनके नाम पर जो कैलेंडर प्रचलित हुआ उसे भारतीय कैलेंडर मान लिया गया था परंतु कालांतर में इस कैलेंडर को हिन्दू कैलेंडर के नाम से मान्यता मिली। हालांकि यह विडंबना ही है कि भारत का राष्ट्रीय कैलेंडर शक संवत को माना जाता है।

क्यों कहते हैं नव संवत्सर

अब सवाल यह उठता है कि नववर्ष को क्यों संवत्सर कहा जाता है? दरअसल, जिस तरह प्रत्येक माह के नाम नियुक्त हैं, जैसे चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ, आषाढ़, श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्तिक, अगहन, पौष, माघ और फाल्गुन, उसी तरह प्रत्येक आने वाले वर्ष का एक नाम होता है। 12 माह के 1 काल को संवत्सर कहते हैं और हर संवत्सर का एक नाम होता है। इस तरह 60 संवत्सर होते हैं। वर्तमान में विक्रम संवत् 2079 से 'नल' नाम का संवत्सर प्रारंभ होगा। इसके पहले राक्षस संवत्सर चल रहा था।

ज्योतिष में बृहस्पति और शुक्र ग्रह को मंगल कार्य के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। संवत्सर का संबंध बृहस्पति ग्रह की गति, राशि परिवर्तन, उसके उदय और अस्त से है। जैसे धरती के 12 मास होते हैं उसी तरह बृहस्पति ग्रह के 60 संवत्सर होते हैं। प्रतिपदा वाले दिन से 60 संवत्सरों में से एक नया संवत्सर प्रारंभ होता है। इसीलिए इसे नव संवत्सर भी कहते हैं। संवत्सर अर्थात बारह महीने की कालविशेष अवधि। बृहस्पति के राशि बदलने से इसका आरंभ माना जाता है।

60 संवत्सरों के नाम

प्रत्येक वर्ष का अलग नाम होता है। कुल 60 वर्ष होते हैं तो एक चक्र पूरा हो जाता है। इनके नाम इस प्रकार हैं- प्रभव, विभव, शुक्ल, प्रमोद, प्रजापति, अंगिरा, श्रीमुख, भाव, युवा, धाता, ईश्वर, बहुधान्य, प्रमाथी, विक्रम, वृषप्रजा, चित्रभानु, सुभानु, तारण, पार्थिव, अव्यय, सर्वजीत, सर्वधारी, विरोधी, विकृति, खर, नंदन, विजय, जय, मन्मथ, दुर्मुख, हेमलम्बी, विलम्बी, विकारी, शार्वरी, प्लव, शुभकृत, शोभकृत, क्रोधी, विश्वावसु, पराभव, प्लवंग, कीलक, सौम्य, साधारण, विरोधकृत, परिधावी, प्रमादी, आनंद, राक्षस, नल, पिंगल, काल, सिद्धार्थ, रौद्रि, दुर्मति, दुन्दुभी, रूधिरोद्गारी, रक्ताक्षी, क्रोधन और अक्षय।

बृहस्पति ग्रह के वर्षों के आधार पर युगों के नाम

सूर्यसिद्धान्त अनुसार संवत्सर बृहस्पति ग्रह के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं। 60 संवत्सरों में 20 -20-20 के तीन हिस्से हैं जिनको ब्रह्माविंशति (1-20), विष्णुविंशति (21-40) और शिवविंशति (41-60) कहते हैं। बृहस्पति की गति के अनुसार प्रभव आदि साठ वर्षों में बारह युग होते हैं तथा प्रत्येक युग में पांच-पांच वत्सर होते हैं। बारह युगों के नाम हैं- प्रजापति, धाता, वृष, व्यय, खर, दुर्मुख, प्लव, पराभव, रोधकृत, अनल, दुर्मति और क्षय। प्रत्येक युग के जो पांच वत्सर हैं, उनमें से प्रथम का नाम संवत्सर है। दूसरा परिवत्सर, तीसरा इद्वत्सर, चौथा अनुवत्सर और पांचवा युगवत्सर है। 12 वर्ष बृहस्पति वर्ष माना गया है। बृहस्पति के उदय और अस्त के क्रम से इस वर्ष की गणना की जाती है। इसमें 60 विभिन्न नामों के 361 दिन के वर्ष माने गए हैं। बृहस्पति के राशि बदलने से इसका आरंभ माना जाता है।

बिजली की खपत मार्च में 4.6फीसदी बढ़कर 126.12 अरब यूनिट हुई

नई दिल्ली। राज्यों में लॉकडाउन पाबंदियों में ढील मिलने और गर्मी का मौसम जल्द शुरू होने के कारण मार्च में भारत की ऊर्जा खपत सालाना आधार पर 4.6 फीसदी की दर से निरंतर बढ़कर 126.12 अरब यूनिट (बीयू) हो गई। बिजली मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार मार्च 2021 में ऊर्जा खपत 120.63 बीयू थी जबकि मार्च 2020 में यह 98.95 बीयू थी। आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में ऊर्जा खपत 4.6 फीसदी बढ़कर 108.03 बीयू हो गई जो फरवरी 2021 में 103.25 बीयू थी। इसके मुताबिक समीक्षाधीन महीने में व्यस्त समय की पूरी की गई बिजली की मांग यानी एक दिन में बिजली की अधिकतम आपूर्ति बढ़कर 199.29 गीगावॉट हो गई। मार्च 2020 में यह आंकड़ा 170.16 गीगावॉट और मार्च 2021 में 185.89 गीगावॉट था। विशेषज्ञों का कहना है कि राज्यों द्वारा लॉकडाउन पाबंदियों में ढील दिए जाने और गर्मियां समय से पहले शुरू हो जाने के कारण मार्च में ऊर्जा खपत में वृद्धि लगातार बनी रही।

आंकड़ों के मुताबिक ऊर्जा खपत जनवरी 2022 में 1.8 फीसदी बढ़कर 111.80 बीयू हो गई जो एक साल पहले समान अवधि में 109.76 बीयू थी। दिसंबर, 2021 में ऊर्जा खपत 3.3 फीसदी बढ़कर 109.17 बीयू हो गई जो दिसंबर, 2020 में 105.62 बीयू थी। नवंबर 2021 में बिजली की खपत 2.5 प्रतिशत बढ़कर 99.32 अरब यूनिट रही थी। नवंबर, 2020 में यह 96.88 अरब यूनिट थी।

इंडिगो ने अपने पायलटों का वेतन 8 प्रतिशत बढ़ाया, नवंबर में भी 6.5प्रतिशत बढ़ाएगी सैलरी

बिजनेस डेस्क।

विमानन कंपनी इंडिगो ने उड़ान संचालन सेवाओं के धीरे-धीरे पटरी पर लौटने के साथ अपने पायलटों का वेतन आठ प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। पिछले दो वर्षों में कोविड-19 से प्रेरित कम मांग के कारण राजस्व में गिरावट के कारण एयरलाइन ने पायलटों सहित कई श्रेणियों के कर्मचारियों के वेतन में कटौती की थी। कोविड-19 महामारी के प्रकोप के बाद अंतरराष्ट्रीय उड़ान सेवाएं 28 मार्च, 2022 से फिर से शुरू हुई हैं। पिछले साल 18 अक्टूबर को देश में पूर्ण नियमित घरेलू उड़ानें फिर से शुरू हुईं। एयरलाइन ने आगे कहा है कि अगर उड़ान संचालन में कोई और बाधा नहीं आती है तो नवंबर से पायलटों के वेतन में 6.5 फीसदी की बढ़ोतरी करने की योजना है। इंडिगो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (उड़ान संचालन) असीम मित्रा ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''उड़ान सेवाओं के अब निरंतर रूप से शुरू होने के साथ... मुझे अपने सभी पायलटों के वेतन में आठ प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है। यह एक अप्रैल से लागू होगी। 150 अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानें शुरू करने की योजना

इंडिगो ने अप्रैल के महीने के दौरान लगभग 150 अंतर्राष्ट्रीय मार्गों पर अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को फिर से शुरू करने की योजना बनाई है और इसका उद्देश्य कोविड पूर्व अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों की तैनाती को बहाल करना है। कॉरपोरेट ट्रैफिक के नेतृत्व में रिकवरी के साथ घरेलू यातायात में भी कोविड-पूर्व स्तर के लगभग 80-85 फीसदी पर मजबूत यात्री भावना देखी जा रही है।

आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन फरवरी में 5.8प्रतिशत बढ़कर चार माह के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली।

कोयला, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद और सीमेंट क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से फरवरी में आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 5.8 प्रतिशत बढ़ा है। यह बुनियादी उद्योगों के उत्पादन में वृद्धि का चार माह का उच्च स्तर है। बृहस्पतिवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। फरवरी, 2021 में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 3.3 प्रतिशत घटा था। इस साल जनवरी में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन चार प्रतिशत बढ़ा था। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी में कोयले का उत्पादन 6.6 प्रतिशत बढ़ा। प्राकृतिक गैस के उत्पादन में 12.5 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पादों के उत्पादन में 8.8 प्रतिशत और सीमेंट में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। प्रतिशत और सीमेंट में पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। वहीं दूसरी ओर कच्चे तेल और उर्वरक के उत्पादन में गिरावट आई। चालू वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों अप्रैल-फरवरी के दौरान आठ बुनियादी उद्योगों कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली का उत्पादन 11 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 8.1 प्रतिशत घटा था। बुनियादी उद्योगों का औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि फरवरी में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि 2.5 प्रतिशत से कम रहने की संभावना है।

फिर गिरी सोने-चांदी की कीमत

बिजनेस डेस्क।

ग्लोबल मार्केट में उतार-चढ़ाव की वजह से शुक्रवार को भारतीय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट आई। हालांकि, सोने का रेट अब भी 51 हजार के ऊपर बना हुआ है। मल्टीकमोडिटी एक्सचेंज पर सुबह 9.10 बजे 24 कैरेट शुद्धता वाले सोने का वायदा भाव 1 रुपए गिरकर 51,584 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया। बाजार में आज सोने का रेट इतने ही भाव पर खुला और काफी देर तक स्थिर बना रहा। पर शुक्रवार को चांदी के वायदा भाव में भी गिरावट दिखी लेकिन इसका रेट अब भी 67 हजार से ऊपर बना हुआ है। सुबह 9.10 बजे चांदी का वायदा भाव 222 रुपए गिरकर 67,265 रुपए प्रति किलोग्राम पहुंच गया। हालांकि, अब भी चांदी अपने रिकॉर्ड स्तर से करीब 6 हजार रुपए सस्ती बिक रही है। चांदी का रेट आज एमसीएक्स पर 67,374 के भाव पर खुला जो गिरकर 67,265 तक चला गया। ग्लोबल मार्केट में आज सोने की कीमतों में जहां बढ़त देखी गई वहीं चांदी के भाव नीचे आ गए। ग्लोबल मार्केट में सुबह सोने का हाजिर भाव 0.10 फीसदी बढ़कर 1,938.85 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया। हालांकि, चांदी का रेट 0.48 फीसदी गिरावट के साथ 25 डॉलर प्रति औंस के आसपास बना हुआ है। एक दिन पहले ग्लोबल मार्केट में सोना और चांदी दोनों की कीमतों में उछाल आया था। एक्सपर्ट का कहना है कि रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के बाद पीली धातु की मांग में कमी आएगी और कीमतें और भी नीचे जा सकती हैं। अनुमान है कि अगले 50 दिनों में ग्लोबल मार्केट में सोने का हाजिर भाव 1,892 डॉलर प्रति औंस तक जा सकता है। चांदी भी 24 डॉलर प्रति औंस के आसपास रहने का अनुमान है। भारतीय बाजार में चांदी 66,550 रुपए के आसपास ट्रेडिंग करने का अनुमान है, जबकि सोना 50,550 रुपए तक सस्ता हो सकता है। देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्य करों और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है। आप अपने शहर सोने की कीमत मोबाइल पर भी चेक कर सकते हैं। इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक आप सिर्फ 8955664433 नंबर पर मिस्ड कॉल देकर प्राइस चेक कर सकते हैं। आप जिस नंबर से मैसेज करते हैं ।

संक्षिप्त समाचार

एनटीपीसी ने केरल में 22 मेगावॉट की सौर क्षमता चालू की

नयी दिल्ली,। सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी ने शुक्रवार को केरल के कायमकुलम में जल क्षेत्र में स्थापित 22 मेगावॉट की सौर क्षमता के वाणिज्यिक परिचालन की घोषणा की। एनटीपीसी ने एक बयान में कहा कि इस इकाई का वाणिज्यिक परिचालन बृहस्पतिवार को शुरू हुआ। यह क्षमता 92 मेगावॉट की कायमकुलम में जलाशय में लगने वाली परियोजना (फ्लोटिंग) का हिस्सा है। बयान के अनुसार क्षमता के सफलतापूर्वक चालू होने केरल ने 31 मार्च को इस इकाई के वाणिज्यिक रूप से शुरू होने की घोषणा कर दी। इसके साथ, एनटीपीसी की खुद की कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता 54,516.68 मेगावॉट पहुंच गयी है। वहीं समूह के स्तर पर कुल स्थापित और वाणिज्यिक क्षमता क्रमशः 68,631.68 मेगावॉट और 67,971.68 मेगावॉट है।

सरकार ने 2021-22 के लिए आयकर रिटर्न फॉर्म में मांगी विदेशी सेवानिवृत्ति लाभ खातों से आय की जानकारी

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने वित्त वर्ष 2021-22 का आयकर रिटर्न भरने के लिए फॉर्म अधिसूचित किए हैं। इनमें करदाताओं से विदेशी सेवानिवृत्ति लाभ खातों से होने वाली आय की जानकारी मांगी गई है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आयकर रिटर्न फॉर्म 1-5 को अधिसूचित किया है। आईटीआर फॉर्म 1 (सहज) और आईटीआर फॉर्म 4 (सुगम) सरल रूप हैं। यह बड़ी संख्या में छोटे और मध्यम करदाताओं की जरूरतों को पूरा करते हैं। सहज फॉर्म 50 लाख रुपये तक की आय वाले वे व्यक्ति भर सकते हैं जो वेतन, एक मकान / अन्य स्रोतों (ब्याज आदि) से आय प्राप्त करते हैं। जबकि आईटीआर-4 वे व्यक्ति, हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और कंपनियां भर सकती हैं जिनकी आय कारोबार और पेशे से 50 लाख रुपये तक है। आईटीआर-तीन वे व्यक्ति भर सकते हैं जिन्हें कंपनियों/पेशे से लाभ के रूप में आय प्राप्त होती है। जबकि आईटीआर-5 सीमित दायित्व भागीदारी (एलएलपी) द्वारा भरा जाता है। आईटीआर-1 मोटे तौर पर पिछले वर्ष की तरह ही है, बस जो नई जानकारी इसमें मांगी गई है वह है शुद्ध वेतन की गणना के लिए किसी अन्य देश में सेवानिवृत्ति लाभ खाते से होने वाली आय।

मार्च में मारुति सुजुकी ने 1,70,395 गाड़ियां बेची

नयी दिल्ली। कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने 1,70,395 इकाई की बिक्री के साथ मार्च में कुल थोक बिक्री में दो प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। मारुति सुजुकी ने एक बयान में कहा, ''कंपनी ने मार्च, 2021 में 1,67,014 इकाइयों की बिक्री की।'' हालांकि कंपनी द्वारा घरेलू स्तर पर उपलब्ध करवाई गई गाड़ियां की संख्या सात प्रतिशत घटकर 1,43,899 इकाई रह गई जो मार्च 2021 में 1,55,417 इकाई थी। कंपनी ने वित्त वर्ष 2020-21 की तुलना में 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 16,52,653 इकाइयों की बिक्री की। कुल बिक्री में 13,65,370 इकाइयों की घरेलू बिक्री, 48,907 इकाइयों की अन्य मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) को बिक्री और 2,38,376 इकाइयों का अब तक का सबसे अधिक निर्यात शामिल है। कंपनी ने कहा, ''इलेक्ट्रॉनिक कलपुर्जों की कमी का वित्त वर्ष 2021-22 में वाहनों के उत्पादन पर कुछ प्रभाव पड़ा था। हालांकि कंपनी ने प्रभाव को कम करने के लिए सभी संभव उपाय किए थे। लेकिन इलेक्ट्रॉनिक घटकों की आपूर्ति की स्थिति अब भी अप्रत्याशित बनी हुई है, इसलिए वित्त वर्ष 2022-23 में भी उत्पादन पर इसका कुछ प्रभाव हो सकता है।'' कंपनी ने कहा, ''निर्यात 11,597 इकाइयां रहा जो पिछले साल इसी महीने की 26,496 इकाई से दोगुना से अधिक है।''

ब्रुकफील्ड ने भारती समूह की चार वाणिज्यिक संपत्तियों में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नयी दिल्ली । वैश्विक निवेश कंपनी ब्रुकफील्ड ने भारती एंटरप्राइजेज की चार वाणिज्यिक संपत्तियों में 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी है। यह हिस्सेदारी 5,000 करोड़ रुपये के उद्यम मूल्य पर की गयी है। इन संपत्तियों में राष्ट्रीय राजधानी में एरोसिटी में वर्ल्डमार्क भी शामिल है। भारती एंटरप्राइजेज और ब्रुकफील्ड ने शुक्रवार को जारी एक बयान में 33 लाख वर्ग फुट की कुल चार वाणिज्यिक संपत्तियों के लिए संयुक्त उद्यम बनाये जाने की घोषणा की। ये संपत्तियां वर्ल्डमार्क एरोसिटी (दिल्ली), वर्ल्डमार्क 65, एयरटेल सेंटर (गुड़गांव) और पैविलियन मॉल (लुधियाना) हैं। भारती एंटरप्राइजेज ने एक बयान में कहा, ÷संयुक्त उद्यम के समझौते के तहत ब्रुकफील्ड निजी रियल एस्टेट फंड भारती एंटरप्राइजेज से 51 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी, वहीं भारती समूह इन संपत्तियों में 49 प्रतिशत आर्थिक हिस्सा बरकरार रखेगी। सौदे को लेकर उद्यम का मूल्य 5,000 करोड़ रुपये आंका गया है।'' उद्यम मूल्य से आशय इन चार संपत्तियों की कुल कीमत और कर्ज से है। हालांकि कंपनी ने अभी तक सौदे की वास्तविक कीमत का खुलासा नहीं किया है।सौदा जरूरी नियामकीय मंजूरी पर निर्भर है।आगे चलकर संपत्तियों का प्रबंधन ब्रुकफील्ड की रियल एस्टेट इकाई ब्रुकफील्ड प्रॉपर्टीज, करेगी।

एनबीसीसी की गुरुग्राम परियोजनाओं के खरीदारों ने ब्याज के साथ अपना पैसा, मुआवजा मांगा

नई दिल्ली।

एनबीसीसी की गुरुग्राम परियोजना ग्रीन व्यू के परेशान घर खरीदारों ने बृहस्पतिवार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी से अपना पैसा 'रिफंड करने की मांग की। साथ ही घर खरीदारों ने कहा कि उन्हें जो 'उत्पीड़न झेलना पड़ा है, उसके लिए उन्हें मुआवजा भी दिया जाना चाहिए। एनबीसीसी की ग्रीन व्यू परियोजना को असुरक्षित घोषित किया जा चुका है। घर खरीदारों ने 15 प्रतिशत ब्याज के साथ अपने निवेश और न्यूनतम 25 लाख रुपये के मुआवजे की मांग की है। एसोसिएशन ऑफ अपार्टमेंट ओनर्स (एओएओ), एनबीसीसी ग्रीन व्यू, सेक्टर-डी ने कहा कि उसने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) और दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा को एक महीने से अधिक समय पहले जांच के लिए एक पत्र लिखा था। दरअसल इस परियोजना के पूरा होने के महज चार वर्षों के अंदर ही दीवारों में दरारें आने लगीं जिससे इसे असुरक्षित घोषित कर दिया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष जी मोहंती ने कहा कि लगभग 90 अपार्टमेंट, मालिकों या किरायेदारों के कब्जे में थे लेकिन उन सभी को मार्च के पहले सप्ताह के दौरान ही खाली कर दिया गया था और अब ये लोग खुद किराये पर रह रहे हैं। गुरुग्राम में अधिकारियों के आदेश देने के बावजूद एनबीसीसी ने हमें पैसा वापस

नहीं किया है। एक आवंटी गौरव सिंह ने कहा, ''हमारी मांग के चार पहलू हैं।

हम चाहते हैं कि एनबीसीसी को फ्लैट खरीदने के लिए हमारे द्वारा भुगतान की गई कीमत, साथ ही पंजीकरण शुल्क और आंतरिक कार्यों पर खर्च को 15 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ वापस करना चाहिए और साथ ही 25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए। गौरतलब है कि गुरुग्राम के सेक्टर 37डी में स्थित एनबीसीसी ग्रीन व्यू ग्रुप हाउसिंग परियोजना 2011 में शुरू की गई थी जबकि निर्माण कार्य 2012 में शुरू हुआ था। इस परियोजना के तहत फ्लैटों का आवंटन 2015 में किया जाना था लेकिन 250 आवंटियों को 2017 में कब्जा देने की पेशकश की गई।

इसमें फॉर्च्यूनर जितना पावरफुल इंजन दिया, कार के अंदर 8-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम मिलेगा

नई दिल्ली।

टोयोटा ने अपना मोस्ट अवेटेड टोयोटा हिलक्स पिकअप ट्रक लॉन्च कर दिया है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 33.99 लाख रुपए है। ये 3 ट्रिम्स में उपलब्ध रहेगा। जिसमें स्टैंडर्ड , हाई और हाई शामिल हैं। टोयोटा हिलक्स देश में जापानी कार ब्रांड का पहला लाइफस्टाइल पिकअप ट्रक भी है। इस सेगमेंट में इसका मुकाबला इसुजु वी-क्रॉस से होगा। हिलक्स पिकअप ट्रक को टोयोटा फॉर्च्यूनर स्ङ्क प्लेटफॉर्म पर तैयार किया गया है।

टोयोटा हिलक्स पिकअप ट्रक की बुकिंग और कीमत

कंपनी इस पिकअप ट्रक की बुकिंग पहले ही शुरू कर चुकी है। ग्राहक 1 लाख रुपए का पेमेंट करके इस ट्रक की बुकिंग कर सकते हैं। कंपनी इस महीने से इसकी डिलीवरी भी शुरू कर सकती है। हिलक्स में फॉर्च्यूनर के जैसा ही 2.8-लीटर, 4-सिलेंडर टर्बो-डीजल इंजन दिया है। जो 204द्धश्च का पावर और 420 ह्द्व का टार्क जेनरेट करता है। ऑटोमैटिक वैरिएंट 500 ह्द्व का टॉर्क जनरेट करता है। ट्रांसमिशन ऑप्शन में 6-स्पीड मैनुअल या 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिया है। हिलक्स पिकअप का इंटीरियर फॉर्च्यूनर से काफी मिलता है। इसमें एपल कारप्ले और एंड्रॉयड ऑटो के साथ 8-इंच का टैबलेट जैसा टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, सॉफ्ट-टच लेदर अपहोल्स्ट्री, स्टोरेज के साथ ड्राइवर आर्मरेस्ट, डुअल-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, सॉफ्ट-टच लेदर अपहोल्स्ट्री, स्टोरेज के साथ ड्राइवर आर्मरेस्ट, डुअल-जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स मिलते हैं। सेफ्टी के लिए इसमें 7 एयरबैग, फ्रंट और रियर पार्किंग सेंसर, इलेक्ट्रोक्रोमिक इनसाइड रियर-व्यू मिरर, टायर एंगल मॉनिटर, एक्टिव ट्रैक्शन कंट्रोल और ऑटोमेटेड लिमिटेड स्लिप डिफरेंशियल जैसे फीचर्स दिए गए हैं।

नहीं थम रही महंगाई! एलपीजी सिलेंडर के दाम में 250 रुपए का हुआ इजाफा

नेशनल डेस्क। देशभर में महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही पेट्रोल-डीजल में लगातार बढ़ौतरी के बाद अब 19 किलो के कमर्शियल रसोई गैस एलपीजी की कीमत में 250 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतरी की गई। आज से इसकी कीमत 2253 रुपये होगी हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई। बता दें कि पिछले दो महीनों में कमर्शियल रसोई गैस में अब तक कुल 346 रुपये की वृद्धी हो चुकी है। वहीं इन वृद्धियों में घरेलू एलपीजी उपभोक्ताओं को राहत मिली हुई है, क्योंकि अभी 10 दिन पहले तक घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम बढ़े हुए थे जबकि 22 मार्च को ही कॉमर्शियल सिलेंडर सस्ता हो गया था। इससे पहले, 22 मार्च को बिना सब्सिडी वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर में 50 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी। वहीं कोलकाता में अब यह 2087 रुपये के बजाय 2351 रुपये और मुंबई में 1955 की जगह 2205 रुपये में मिलेगा। चेन्नई में अब इसी सिलेंडर के लिये 2138 रुपये की बजाय 2406 रुपये खर्च करने होंगे। आपको बता दें कि कॉमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी के अलावा हवाई ईंधन की कीमतों में भी इजाफा हुआ है। 1 अप्रैल को जेट फ्यूल यानी एटीएफ के दाम 2 फीसदी से बढ़ाकर 1,12,925 किलोलीटर हो गई है. पहले यह 1,10, 666 रुपये किलोलीटर थी. वहीं नई दरें 15 अप्रैल 2022 को लागू होंगी।

रूस ने भारत को 35 डॉलर के डिस्काउंट पर कच्चा तेल बेचने का दिया ऑफर

बिजनेस डेस्क।

रूस और यूक्रेन के बीच जारी भीषण युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें आसमान छू रही हैं। इस बीच बड़े तेल उत्पादकों में शामिल रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते वो तेल का निर्यात नहीं कर पा रहा है। ऐसे में रूस ने अब भारी छूट के साथ तेल बेचने की तैयारी कर ली है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, उसने भारत को 35 डॉलर प्रति बैरल तक की छूट के साथ 15 मिलियन बैरल तेल खरीदने की पेशकश की है। सूत्रों के मुताबिक, जिस हिसाब से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में तेजी आ रही है, यह छूट 45 फीसदी तक बढ़ाई जा सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, एक ओर जहां रूस भारत को किफायती दरों पर भारी छूट के साथ तेल देने के लिए तैयार है, तो दूसरी ओर तेल-गैस का भुगतान रूबल में करने के फैसले को लेकर भी भारत को राहत देने का प्रस्ताव दिया गया है। दरअसल, डॉलर में भुगतान बंद होने की वजह से रूस के केंद्रीय बैंक ने पेमेंट के लिए एक नया सिस्टम विकसित किया है। रिपोर्ट के अनुसार, रूस के मैसेजिंग सिस्टम एसपीएफएस (एसपीएफएस) के इस्तेमाल से भारत रुपए-रूबल में भुगतान कर सकता है। इस खास सिस्टम में रूसी मुद्रा यानी रूबल को भारतीय बैंकों में जमा किया जाएगा और फिर इसे भारतीय मुद्रा यानी रुपए में बदल दिया जाएगा। ठीक इसी तरह रुपए को रूबल में बदलकर भुगतान किया जाएगा। हालांकि, अभी तक भारत सरकार ने इस प्रस्ताव पर कोई फैसला नहीं किया है। गौरतलब है कि गुरुवार को आई खबर के अनुसार, रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण आसमान पर पहुंची तेल की कीमतों को कम करने के मकसद से अमेरिका अपने रिजर्व से 18 करोड़ बैरल ऑयल कर सकता है। यूएसए के इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) के सदस्य देश भी अपने भंडार से तेल रिलीज करने के बारे में सोच रहे हैं। अन्य देश भी इसी तरह की योजना बना रहे हैं, जिसपर फैसला आज होने वाली बैठक में फैसला लिया जा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर आईईए के सदस्य देशों में इस बारे में सहमति बन जाती है तो क्रूड की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है। बता दें कि रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद से ब्रेंट क्रूड की कीमतों में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। बीते दिनों कच्चे तेल की कीमतें 14 साल के उच्च स्तर पर 139 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल अमेरिका के रिजर्व में 56.8 करोड़ बैरल क्रूड मौजूद है। हालांकि, यह मई 2002 के बाद सबसे कम भंडारण है। गोल्डमैन सैक्स ने अपनी हालिया रिपोर्ट में कहा है कि अमेरिका द्वारा अपने रिजर्व से ऑयल रिलीज करने से इसकी सप्लाई रोजाना 10 लाख बैरल बढ़ जाएगी। विशेषज्ञों की मानें तो अमेरिका के इस कदम से भारत को भी फायदा पहुंचेगा। क्यों कि भारत अपनी जरूरत का 85 फीसदी तेल आयात करता है। गौरतलब है कि चार नवंबर 2021 के बाद भारत में तेल की कीमतों में बदलाव नहीं किया गया था, लेकिन बीते दस दिनों में ही देश में नौ बार पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा हो चुका है।

बाबर आजम ने तोड़ा इमरान खान का 32 साल पुराना रिकॉर्ड

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने यहां गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे मैच में पूर्व क्रिकेटर एवं पाकिस्तान के मौजूदा प्रधानमंत्री इमरान खान का रिकॉर्ड तोड़ दिया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में बाबर ने 83 गेंदों पर 114 रन की शतकीय पारी खेल कर 32 वर्ष पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। दरअसल क्रिकेट के इतिहास में पाकिस्तान के किसी भी कप्तान द्वारा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बनाया गया यह सर्वाधिक वनडे स्कोर है। इससे पहले इमरान खान ने बतौर कप्तान 1990 में ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 82 रन बनाए थे। उसके बाद से अब बाबर ने बतौर कप्तान ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सर्वाधिक वनडे स्कोर बनाया है। उल्लेखनीय है कि बाबर और इमाम-उल-हक के शानदार शतकों के दम पर पाकिस्तान ने दूसरे वनडे मैच में ऑस्ट्रेलिया को छह विकेट से हरा कर तीन मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है।

एफआईएच प्रो लीग : इंग्लैंड पर जीत दर्ज कर शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश करेगा भारत

भुवनेश्वर ।

भारतीय पुरूष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में आठ मैचों के बाद अच्छी स्थिति में है और इंग्लैंड के खिलाफ शनिवार से यहां शुरू हो रहे दो मैचों में जीत दर्ज करके वह तालिका में शीर्ष पर पहुंचने की कोशिश करेगी। इस मुकाबले का दूसरा मैच रविवार को खेला जाएगा। टोक्यो ओलंपिक कांस्य पदक विजेता भारत ने अब तक इस सत्र में आठ मैच खेले हैं और वह 16 अंकों के साथ जर्मनी (17 अंक) के बाद तालिका में दूसरे स्थान पर है। भारतीय टीम ने फ्रांस (5-0, 2-5) और स्पेन (5-4, 3-5) के खिलाफ एक मैच में जीत दर्ज की थी जबकि एक मैच में उसे हार मिली थी। इससे पहले उसने दक्षिण अफ्रीका को 10-2, 10-2 से हराया था। भारत को हाल में अर्जेंटीना के खिलाफ पहले मैच में 2-2 (शूट-आउट में 1-3) से हार का सामना करना पड़ा लेकिन दूसरे मैच में उसने 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज की थी। इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले से पहले रक्षापंक्ति भारत के लिये चिंता का विषय है, जो दबाव में बिखर जाती है। भारत ने कुछ गोल आसानी से गंवाये हैं और उप कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने स्वीकार किया है कि टीम को अपने रक्षण में सुधार करना होगा। हरमनप्रीत ने कहा, 'हमारा मुख्य ध्यान टीम को मैच दर मैच मजबूत बनाना है। हम अपने कमजोर और मजबूत पक्षों के बारे में बहुत कुछ सीख रहे हैं। हमें अपनी 'फिनिशिंग% में सुधार करने, अधिक पेनल्टी कार्नर हासिल करने की जरूरत है। रक्षकों को पेनल्टी कार्नर देने से बचना होगा।% भारत की अग्रिम पंक्ति ने हालांकि प्रभावशाली प्रदर्शन करके आठ मैचों में 42 गोल किये हैं। मंदीप सिंह विशेष रूप से विपक्षी टीम के सर्कल के अंदर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण गोल किये हैं जिनमें अर्जेंटीना के खिलाफ आखिरी मिनट में किया गया विजयी गोल भी शामिल है।

ओलंपिक कांस्य पदक विजेता टीम के कप्तान मनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली मध्यपंक्ति में हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा और सुमित जैसे खिलाड़ी हैं। टीम में चार विश्व स्तरीय ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत, कप्तान अमित रोहिदास, वरुण कुमार और युवा जुगराज सिंह हैं जिससे भारत अपने प्रतिद्वंद्वियों पर मजबूत नजर आता है। जुगराज ने सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद से शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरे मैच में दो गोल किये थे। रोहिदास ने कहा, 'वह (जुगराज) वास्तव में अच्छा खेल रहा है।

वह विश्व स्तरीय ड्रैगफ्लिकर है। यह टीम के लिए फायदे की स्थिति है। वह मौकों का पूरा लाभ उठा रहा है। भारत ने इससे पहले आखिरी भारत ने इससे पहले आखिरी बार इंग्लैंड से टोक्यो ओलंपिक के क्वार्टर फाइनल में खेला था जिसमें उसने 3-1 से जीत हासिल की थी। भारतीय टीम अभी विश्व रैंकिंग में चौथे जबकि इंग्लैंड सातवें स्थान पर है। इंग्लैंड अभी दो जीत और इतनी ही हार से छह अंक के साथ प्रो लीग तालिका में सातवें स्थान पर है।

महिला विश्व कप फाइनल में मैच रैफरी होंगी भारत की जीएस लक्ष्मी

क्राइस्टचर्च ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के मैच रैफरी के अंतरराष्ट्रीय पैनल में जगह बनाने वाली पहली महिला भारत की जीएस लक्ष्मी रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले महिला विश्व कप फाइनल में मैच रैफरी होंगी। पुरुष एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में मैच रैफरी की भूमिका निभाने वाली लक्ष्मी पहली महिला मैच रैफरी हैं। उन्होंने दिसंबर 2020 में यूएई में विश्व कप लीग दो के दौरान यह भूमिका निभाई थी। हेगले ओवल में होने वाले महिला विश्व कप फाइनल के दौरान क्रिकेट इतिहास में पहली बार चार महिला मैच अधिकारी भूमिका निभाएंगी। ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल में वेस्टइंडीज जबकि इंग्लैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। फाइनल के लिए दक्षिण अफ्रीका की लॉरेन एंगेनबर्ग और न्यूजीलैंड की किम कॉटन मैदानी अंपयार होंगी जबकि वेस्टइंडीज की जैकलीन विलियम्स टीवी अंपायर की भूमिका निभाएंगी। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच एमसीजी में हुए 2020 महिला टी20 विश्व कप फाइनल के दौरान कॉटन एकमात्र महिला अधिकारी थी। उन्होंने अहसन रजा के साथ मैदानी अंपायर की भूमिका निभाई थी। जमैका की रहने वाली जैकलीन 2020 में पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में तीसरे अंपायर की भूमिका निभाने वाली पहली महिला बनी थी। उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज की तीन मैच की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में यह भूमिका निभाई थी। जिंबाब्वे के लेंगटन रुसेरे चौथे अंपायर होंगे। आईसीसी ने कहा, 'खेल में लैंगिक समानता के प्रति रणनीति प्रतिबद्धता को देखते हुए।

2022 महिला विश्व कप फाइनल के लिए मैच अधिकारियों की घोषणा

क्राइस्टचर्च । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को तीन अप्रैल को क्राइस्टचर्च के हेगले ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच होने वाले 2022 महिला विश्व कप फाइनल के लिए महिला मैच अधिकारियों की नियुक्ति की घोषणा की। भारत की जीएस लक्ष्मी जो हाल ही में आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी में पहली महिला सदस्य बनीं थीं। उन्हें भी फाइनल के लिए मैच रेफरी नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि लक्ष्मी ने इस मैदान पर 31 मार्च को इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच सेमीफाइनल मैच में भी मैच रेफरी की भूमिका निभाई थी। वहीं दक्षिण अफ्रीका की लॉरिन एजेनबैग और न्यूजीलैंड की किम कॉटन को ऑन-फील्ड अंपायर बनाया गया है। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेले गए आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2020 के फाइनल में कॉटन एकमात्र महिला मैच अधिकारी थीं। विश्व कप 2020 के फाइनल में कॉटन एकमात्र महिला मैच अधिकारी थीं। इसके अलावा वेस्ट इंडीज की जैकलीन विलियम्स, जो 2020 में पुरुषों के अंतरराष्ट्रीय मैच में तीसरे अंपायर के रूप में अंपायरिंग करने वाली पहली महिला बनीं थीं, टीवी अंपायर के रूप में कार्यभार संभालेंगी, जबकि जिम्बाब्वे की लैंगटन रुसेरे चौथी अंपायर होंगी।

भारत की नजरें जूनियर हॉकी विश्व कप में

3 ओलिम्पियन करवा रहे तैयारी

पोटचेफ्सट्रूम।

कप्तान सलीमा टेटे सहित तीन ओलिम्पिक खिलाड़ियों की मौजूदगी में भारतीय टीम शुक्रवार से यहां शुरू हो रहे एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहेगी। टेटे के अलावा मिडफील्डर शर्मिला देवी और स्ट्राइकर लालरेमसियामी उस सीनियर टीम में शामिल थे जिसने टोक्यो ओलिम्पिक में चौथा स्थान हासिल किया था। भारतीय टीम पूल डी में अपने अभियान की शुरुआत शनिवार को वेल्स के खिलाफ करेगी और रविवार को उसे जर्मनी से भिडना है। टीम को आठ अप्रैल से शुरू होने वाले क्वार्टर फाइनल दौर से पहले पूल के आखिरी मैच में मलेशिया का सामना करना है। बीस वर्षीय सलीमा भारतीय मिडफील्ड की अहम खिलाड़ी है। वह पहले ही भारत के ओलंपिक अभियान में अपनी क्षमताओं को साबित कर चुकी हैं, जहां उनकी तेजी देखने लायक थी। ब्रिटेन के खिलाफ कांस्य पदक मैच में उन्होंने अपने खेल से भी को प्रभावित करते हुए तीन पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किये थ। लालरेमसियामी मिजोरम की पहली महिला ओलंपियन है। वह शानदार स्ट्राइकर हैं, जो विरोधी टीम के सर्कल के अंदर तेजी से मौके बनाने के लिए जानी जाती है। अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी शर्मिला ने मैदान के दोनों तरफ से अपने खेल से प्रभावित किया है। उन्होंने ब्रिटेन के खिलाफ भारत के पूल चरण के मैच में भी एक गोल किया। 4 साल में एक बार होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन दिसंबर में होना था लेकिन दक्षिण अफ्रीका में ओमिक्रॉन (कोरोना वायरस का प्रकार) के खतरे के कारण स्थगित कर दिया गया था। युवा ओलंपिक 2018 में रजत पदक जीतने वाली टीम का हिस्सा रही सलीमा ने कहा कि खिलाड़ियों में खासा उत्साह है। सभी ने इस क्षण के लिए बहुत मेहनत की है और टूर्नामेंट के स्थगित होने के बाद समय का बेहतर इस्तेमाल किया। एक टीम के रूप में हमने सुधार किया ताकि हम यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें। कप्तान ने कहा कि यहां जल्दी आने से हमें काफी मदद मिली है। हमें यहां अभ्यास के काफी मौके मिले और इससे हमें मौसम के अनुकूल होने में मदद मिली है।

टीम में उप-कप्तान इशिका चौधरी, गोलकीपर बिछु देवी खरीबाम, डिफेंडर अक्षता अबसो देखाले और संगीता कुमारी भी शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में जर्मनी के खिलाफ एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैचों में सीनियर टीम के लिए पदार्पण किया था। भारतीय टीम ने विश्व कप शुरू होने से पहले इंग्लैंड और नीदरलैंड के खिलाफ भी दो अभ्यास मैच खेले, दोनों ड्रॉ रहे।

संक्षिप्त समाचार

इन गेंदबाजों की टीम में रहना राजस्थान रॉयल्स के लिए मनोबल बढ़ाने वाला : संगकारा

मुंबई । राजस्थान रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक और मुख्य कोच कुमार संगकारा ने शुक्रवार को कहा कि सभी गेंदबाजों का उपलब्ध रहना टीम के लिए मनोबल बढ़ाने वाला है जबकि आईपीएल की कई अन्य टीम अपने विदेशी खिलाड़ियों की फिटनेस और अनुपलब्धता से जूझ रही हैं। रॉयल्स ने ट्रेंट बोल्ट, प्रसिद्ध कृष्णा, रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्र चहल की मौजूदगी वाले दमदार आक्रमण के शानदार प्रदर्शन से अपने पहले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 61 रन से करारी शिकस्त देकर अपने अभियान की शानदार शुरुआत की थी। कई टीम के विदेशी खिलाड़ी उपलब्ध नहीं हैं जबकि रॉयल्स के चार मुख्य गेंदबाजों के अलावा जिम्मी नीशाम, ओबेद मैककॉय और नवदीप सैनी भी पूरे सत्र के लिए उपलब्ध हैं। संगकारा ने कहा कि टी20 क्रिकेट में विशेषकर सपाट पिचों पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी समान प्रभाव डालती हैं। इसलिए यह वास्तव में मनोबल बढ़ाने वाला है कि हमारे पास सभी गेंदबाज पूरे सत्र के लिए उपलब्ध हैं।आईपीएल में 122 मैचों में 170 विकेट लेने वाले लसिथ मलिंगा संन्यास लेने के बाद तेज गेंदबाजी कोच के रूप में रॉयल्स से जुड़ गए हैं। संगकारा ने कहा कि यह वास्तव में अच्छा है कि वह टीम के साथ हैं। उनका होना काफी मायने रखता है। गेंदबाज उनसे बात करने का वास्तव में फायदा उठा रहे हैं। वे क्षेत्ररक्षण की सजावट और गेंदों पर चर्चा करते हैं।

महिला विश्वकप फाइनल : इंग्लैंड की स्पिनर एक्लेस्टोन ने कहा- हम आस्ट्रेलिया को हरा सकते हैं

क्राइस्टचर्च । इंग्लैंड की बाईं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन का कहना है कि उनकी टीम अगर अपना सर्वश्रेष्ठ करे तो वह किसी भी दिन मजबूत आस्ट्रेलिया को हरा सकती है जिससे रविवार को हेगले ओवल में उन्हें महिला विश्व कप फाइनल खेलना है। टूर्नामेंट की सर्वाधिक विकेट चटकाने वाली इस गेंदबाज ने साथ ही कहा कि उनकी टीम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेलने के बावजूद फाइनल तक पहुंचने में सफल रही। उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलिया को फाइनल में हराना, एशेज में हमारा जैसा प्रदर्शन रहा है, उसके बाद अगर हम ऐसा करते हैं तो मैं इसे शब्दों में बयां नहीं कर सकती। मेरा मानना है कि यह टीम किसी भी दिन निश्चित रूप से आस्ट्रेलिया को हरा सकती है, हमारे पास एक बढ़िया मौका है। इंग्लैंड का विश्व कप से पहले प्रदर्शन काफी खराब रहा जिसमें टीम एशेज में अपनी पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी से हार गई। इसके बाद विश्व कप के शुरूआती मैच में भी उन्हें आस्ट्रेलिया से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मैं जानती हूं कि अगर हम अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेलें और हमारे बल्लेबाज वैसी बल्लेबाजी करें जैसा वे कर सकते हैं और गेंदबाज वैसी गेंदबाजी करें जैसी वे कर सकते हैं तो हमारे पास इतनी बढ़िया इकाई है।

ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर पीटर नेविल ने क्रिकेट से लिया संन्यास

मेलबोर्न ।

ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज पीटर नेविल ने शुक्रवार को क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। नेविल इस साल फरवरी से क्रिकेट एक्शन से दूर थे। कंधे की चोट के कारण न्यू साउथ वेल्स के लिए उनका सीजन जल्दी खत्म हो गया था। नेविल ने एक बयान में कहा, 'मुझे हमेशा से पता था कि मैं अपने करियर के अंत के करीब हूं। यह मेरे लिए एक निराशाजनक सीजन था, मुझे लगता है कि मैंने अपने करियर के बाकी हिस्सों की तुलना में इस सीजन में चोट के कारण अधिक मैच गंवाए हैं। मुझे बहुत गर्व है कि मैं ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने में सक्षम था और मैं न्यू साउथ वेल्स के लिए इतने लंबे समय तक खेला। मुझे लगता है कि मैं अपने संतरे से जितना हो सकता था उतना रस निचोड़ सका। उल्लेखनीय है कि नेविल ने 2015 एशेज में ऑस्ट्रेलिया के लिए अपना नाम बनाया, जहां उन्होंने लॉर्ड्स में अपनी टीम की बड़ी जीत में बल्ले से 45 रन बनाए थे। उन्होंने इसके बाद आठ और टेस्ट मैच खेले। उनकी सबसे हालिया उपस्थिति नवंबर 2016 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होबार्ट में आई थी। ऑस्ट्रेलिया ने हालांकि उस टेस्ट और श्रृंखला को एक मैच से गंवा दिया। इसके बाद टीम में नेविल की जगह मैथ्यू वेड ने ले ली। नेविल ने भले ही ऑस्ट्रेलिया के लिए कभी वनडे क्रिकेट नहीं खेला, लेकिन छोटे अंतरराष्ट्रीय करियर में उन्हें नौ बार टी-20 टीम में चुना गया। नेविल ने कहा, 'मैं यह कहना चाहूंगा कि मैं एक ऐसा शख्स था, जिसने खेल से बहुत कुछ सीखा। मैं भाग्यशाली रहा हूं कि मैं जितना हो सका उतने लंबे समय तक खेला। मेरे करियर को कुछ छोटा और मीठा बनाना मुश्किल है, हालांकि मेरे पास जो अवसर हैं, अनुभव हैं, जिन लोगों से मैं मिला हूं, दुनिया की यात्रा करने में सक्षम हुआ, ये सब कुछ यादगार है।

ओसाका मियामी ओपन के फाइनल में, मेदवेदेव नंबर एक बनने से चूके

मियामी गार्डन्स । नाओमी ओसाका तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मैच में जीत दर्ज करके मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में पहुंच गई लेकिन पुरुष एकल में दानिल मेदवेदेव क्वार्टर फाइनल में हारने के कारण फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल करने से चूक गए। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी और यहां गैरवरीयता प्राप्त ओसाका ने सेमीफाइनल में 22वीं वरीय बेलिंडा बेनसिच को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया। वह ऑस्ट्रेलियाई ओपन 2021 के बाद पहली बार किसी टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची हैं। ओसाका फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक से भिड़ेगी जिन्होंने एक अन्य सेमीफाइनल में 16वीं वरीय जेसिका पेगुला को 6-2, 7-5 से पराजित किया। स्वियातेक अगले सप्ताह जारी होने वाली रैंकिंग में संन्यास ले चुकी ऐश बार्टी की जगह शीर्ष पर काबिज हो जाएगी। इस बीच मेदवेदेव दूसरी रैंकिंग के खिलाड़ी के तौर पर टूर्नामेंट में उतरे थे और ह्यूबर्ट हरकाज ने सुनिश्चित किया कि वह इसी नंबर पर बने रहेंगे। हरकाज ने पुरुष वर्ग के क्वार्टर फाइनल में मेदवेदेव को 7-6 (7), 6-3 से हराया। मेदवेदेव इस बीच मांसपेशियों में ऐंठन से परेशान रहे। मेदवेदेव अगर इस मैच में जीत दर्ज कर लेते तो फिर नोवाक जोकोविच को पीछे छोड़कर विश्व रैंकिंग में फिर से नंबर एक पर पहुंच जाते। यह रूसी खिलाड़ी हालांकि अब नंबर दो पर ही बना रहेगा। पोलैंड के हरकाज सेमीफाइनल में स्पेन के 14वें वरीय कार्लोस अल्काराज से भिड़ेंगे। अल्काराज ने गुरुवार रात को पुरुष क्वार्टर फाइनल के आखिरी मैच में सर्बिया के गैरवरीय मिओमिर केकमानोविच को 6-7 (5) 6-3 7-6 (5) से हराया।

अय्यर की कप्तानी को लेकर इरफान पठान का बड़ा बयान

मुंबई । भारत के पूर्व हरफनमौला खिलाड़ी इरफान पठान ने शुक्रवार को कहा कि दो बार की आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स का भविष्य बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में उज्ज्वल है। अय्यर को आईपीएल 2022 से पहले कोलकाता की और से कप्तान नियुक्त किया गया था और उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को कम स्कोर वाले मैच में तीन विकेट से हार का सामना करने के बावजूद जिस तरह से नेतृत्व किया है, उससे सभी को प्रभावित किया है। पठान ने कहा कि श्रेयस अय्यर एक शानदार कप्तान हैं। याद रखें, उन्होंने सीजन के बीच में (दिल्ली कैपिटल्स) कप्तानी संभाली, जैसे रोहित शर्मा जिन्हें आईपीएल 2013 में सीजन के दौरान मुंबई इंडियंस का कप्तान बनाया गया था। दिल्ली कैपिटल्स के लिए श्रेयस ने अच्छी शुरुआत की। कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में उन्होंने कप्तान के रूप में अपने पहले कार्यकाल में अपने निर्णय लेने के कौशल में सुधार किया। पठान ने देखा कि जब से अय्यर दिल्ली से कोलकाता आए हैं, उनके नेतृत्व कौशल को और अधिक प्रसिद्धि मिली है। लेकिन उनकी कप्तानी की चालें इस सीजन में प्रमुखता से सामने आ रही हैं और जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा हम इसके बारे में और बात करेंगे। वह खिलाड़ियों के कप्तान हैं।

मैनचेस्टर सिटी के साथ प्रशिक्षण लेंगे यूक्रेनी फुटबॉलर एंड्री क्रावचुक

मैनचेस्टर ।

यूक्रेनी शरणार्थी एवं फुटबॉलर एंड्री क्रावचुक को प्रीमियर लीग से मंजूरी मिलने के बाद इंग्लैंड के फुटबॉल क्लब मैनचेस्टर सिटी के साथ प्रशिक्षण करने की अनुमति दे दी गई है। यह फैसला मैनचेस्टर सिटी और यूक्रेन फुटबॉल टीम के डिफेंडर ओलेक्जेंडर जिनचेंको के हस्तक्षेप के बाद लिया गया है। युवा स्तर पर क्रावचुक और जिनचेंको दोनों शख्तार डोनेट्स्क में एक साथ खेले हैं। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण शुरू होने के वक्त क्रावचुक अपने रूसी क्लब पक्ष टॉरपीडो मॉस्को के साथ तुर्की में प्रशिक्षण शिविर में थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक क्रावचुक ने यूक्रेन पर हमले के बाद तुरंत रूसी क्लब के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया और मैनचेस्टर चले गए, जहां वह मैनचेस्टर सिटी की अंडर-23 टीम के साथ शेष सत्र के लिए प्रशिक्षण लेंगे। क्रावचुक ने रूसी क्लब के लिए खेलने के बारे में कहा, 'मैं बहुत असहज महसूस कर रहा था। मैं ऐसे देश के लिए खेल रहा था, जिसने मेरी मातृभूमि पर आक्रामण किया। क्लब छोड़ना ही एकमात्र फैसला था। अगर मैं वहां खेलना जारी रखता हूं तो यूक्रेन के लोग मुझे नहीं समझते। उल्लेखनीय है कि 23 वर्षीय क्रावचुक का परिवार अभी भी कीव में है, जहां उनका भाई एलेक्स देश के सशस्त्र बलों के साथ देश की सुरक्षा के लिए लड़ रहा है। क्रावचुक ने इस बारे में क्रावचुक ने कहा कि वह मैनचेस्टर सिटी के आभारी हैं, जिसने उन्हें क्लब में प्रशिक्षण देने की अनुमति दी। उनके हमवतन जिनचेंको ने भी उनकी मदद की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्ते और महीने बहुत मुश्किल रहे हैं, लेकिन मैदान पर वापस आना उनके लिए बहुत मायने रखता है। और लगातार बमबारी अलर्ट के साथ संदेश प्राप्त कर रहा हूं। हर बार जब भी अलर्ट आते हैं तो मैं बहुत चिंतित हो जाता हूं। मेरे मन में केवल यही विचार होता है कि मेरे परिवार की जान जा सकती है। क्रावचुक ने कहा कि वह मैनचेस्टर सिटी के साथ प्रशिक्षण करने की अनुमति दे दी गई है। यह फैसला मैनचेस्टर सिटी और यूक्रेन फुटबॉल टीम के डिफेंडर ओलेक्जेंडर जिनचेंको के हस्तक्षेप के बाद लिया गया है। युवा स्तर पर क्रावचुक और जिनचेंको दोनों शख्तार डोनेट्स्क में एक साथ खेले हैं। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण शुरू होने के वक्त क्रावचुक अपने रूसी क्लब पक्ष टॉरपीडो मॉस्को के साथ तुर्की में प्रशिक्षण शिविर में थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक क्रावचुक ने यूक्रेन पर हमले के बाद तुरंत रूसी क्लब के साथ अपना अनुबंध समाप्त कर दिया और मैनचेस्टर चले गए, जहां वह मैनचेस्टर सिटी की अंडर-23 टीम के साथ शेष सत्र के लिए प्रशिक्षण लेंगे। क्रावचुक ने रूसी क्लब के लिए खेलने के बारे में कहा, 'मैं बहुत असहज महसूस कर रहा था। मैं ऐसे देश के लिए खेल रहा था, जिसने मेरी मातृभूमि पर आक्रामण किया। क्लब छोड़ना ही एकमात्र फैसला था। अगर मैं वहां खेलना जारी रखता हूं तो यूक्रेन के लोग मुझे नहीं समझते। उल्लेखनीय है कि 23 वर्षीय क्रावचुक का परिवार अभी भी कीव में है, जहां उनका भाई एलेक्स देश के सशस्त्र बलों के साथ देश की सुरक्षा के लिए लड़ रहा है। क्रावचुक ने इस बारे में क्रावचुक ने कहा कि वह मैनचेस्टर सिटी के आभारी हैं, जिसने उन्हें क्लब में प्रशिक्षण देने की अनुमति दी। उनके हमवतन जिनचेंको ने भी उनकी मदद की। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ हफ्ते और महीने बहुत मुश्किल रहे हैं, लेकिन मैदान पर वापस आना उनके लिए बहुत मायने रखता है।

नाकामुरा और रिचर्ड रापोर्ट नें बनाई फीडे कैंडिडेट्स शतरंज में जगह

बर्लिन ,जर्मनी । यूएसए के हिकारू नाकामुरा और हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट आधिकारिक तौर पर अब फीडे कैंडिडेट्स 2022 का हिस्सा होंगे और वह अब पहले से चयनित छह खिलाड़ियों के साथ विश्व चैंपियनशिप में पहुँचने की कोशिश करेंगे । दरअसल शतरंज में विश्व चैम्पियन को चुनौती फीडे कैंडीडेट का विजेता देता है और अलग अलग चयन के मापदंडो से अब तक विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर रूस के इयान नेपोमिन्सी , विश्व कप के प्रथम दो - पोलैंड के यान डूडा पिछले विश्व कप विजेता अजरबैजान के तैमूर रद्जाबोव और रूस के सेरगी कार्याकिन ,फीडे ग्रांड स्विस से फ्रांस से अलीरेजा फिरौजा और यूएसए के फबियानों करूआना पहले ही इसमें स्थान बना चुके थे । ऐसे मे अंतिम दो स्थान का चयन फीडे ग्रांप्री के तीन टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से होना था । ऐसे मे हंगरी के रिचर्ड रापोर्ट ने 20 अंक अंक बनाकर सबसे आगे थे ऐसे में जैसे ही बर्लिन ग्रां प्री के सेमी फाइनल मे नाकामुरा पहुंचे यह तय हो गया की अब वह भी कम से कम 20 अंक हासिल कर लेंगे साथ ही यह भी तय हो गया की अब कोई अन्य खिलाड़ी इतने अंक हासिल नहीं कर पाएगा । विश्व शतरंज द्वारा आयोजित ग्रां प्री के पूल चरण के अंतिम और निर्णायक दौर में, हिकारू नाकामुरा ने एंड्री एसिपेंको को हराया और पूल ए के विजेता बने। फीडे कैंडिडेट्स का आयोजन इस वर्ष 16 जून से 5 जुलाई के दौरान स्पेन के मेड्रिड में किया जाएगा जिसमें जीतने वाला खिलाड़ी विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को चुनौती देगा ।

सूरत में कृषि एवं ऊर्जा राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल ने पीड़ित परिवारों को 4 लाख रुपये का चेक सौंपा

सूरत। 08 जनवरी को सूरत में सचिन जीआईडीसी में रासायनिक रिसाव के कारण हुए हादसे में मारे गए 6 श्रमिकों के परिवारों के लिए आज सूरत सर्किट हाउस में कृषि, ऊर्जा और पेट्रोकेमिकल राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल ने कुल रु. 24 लाख की सहायता की पेशकश की थी। मंत्री ने रु. 4 लाख रुपये की सहायता के लिए चेक प्रदान करते हुए शोक संतप्त लोगों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

विश्वप्रेम डाइंग एंड प्रिंटिंग मिल्स, सचिन जीआईडीसी के मालिक वेद प्रकाश अग्रवाल ने भी प्रत्येक मृतक के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और रू 2 लाख का चेक सौंपे गए। मंत्री मुकेशभाई पटेल ने कहा कि सचिन जीआईडीसी की त्रासदी दुखद है। जबकि राज्य सरकार 6 मृतक श्रमिकों के परिवारों के प्रति संवेदनशील है, सरकार ने प्रक्रिया में तेजी लाई है और कुल 24 लाख रुपये की सहायता स्वीकृत की है। भविष्य में ऐसी दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और औद्योगिक इकाइयों के साथ भी उचित समन्वय बनाए रखा जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य सरकार सहायता चेक प्राप्त करने वाले परिवारों के साथ खड़ी है।

इस कार्यक्रम में विधायक श्रीमती झंखना पटेल, जिला संगठन अध्यक्ष श्री संदीपभाई देसाई, श्री महेंद्रभाई रामोलिया, अध्यक्ष, सचिन अधिसूचित क्षेत्र, सहकारिता नेता श्री नरेशभाई पटेल, मामलातदार श्री भरत सक्सेना, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री आशीष गुजराती सहित मृतक के परिजन, वारिस उपस्थित थे।

दिल्ली और पंजाब के मुख्यमंत्रियों का अहमदाबाद में रोड शो आज

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा के चुनाव जैसे जैसे निकट आ रहे हैं, राजनीतिक हलचल तेज हो रही है। भाजपा और कांग्रेस पहले ही चुनावों को लेकर सक्रिय हो गई हैं और अब आम आदमी पार्टी (आप) अपना अभियान तेज करने जा रही है। पंजाब चुनावों में शानदार सफलता से गदगद आप गुजरात चुनावों के लिए शनिवार को शंखनाद करने जा रही है। आप के संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के अहमदाबाद में रोड शो का आयोजन किया गया है। अरविंद केजरीवाल के दो दिवसीय गुजरात दौरे के दौरान कांग्रेस के कई नेताओं के आप में शामिल होने की संभावना है। खबर है कि राजकोट कांग्रेस के नेता और पूर्व विधायक इंद्रनील राज्यगुरु आप में शामिल हो सकते हैं। कल होनेवाले रोड शो के लिए अरविंद केजरीवाल आज देर रात तक अहमदाबाद पहुंच जाएंगे। गुजरात दौरे के पहले अरविंद केजरीवाल तीन बैठकें करेंगे और उसके बाद शाम 4.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक पूर्वी अहमदाबाद में रोड शो करेंगे। इस रोड शो में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होंगे। 3 अप्रैल को अरविंद केजरीवाल पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। बाद में गुजरात आप के पदाधिकारी और कोर टीम के साथ केजरीवाल अलग अलग बैठकें करेंगे। केजरीवाल की उपस्थिति में कांग्रेस के कई नेता आम आदमी पार्टी जॉइन कर सकते हैं।

पहले आप को और अब भाजपा को झटका दे आप में वापस लौटी महिला नगर पार्षद

सूरत।

पहले आम आदमी पार्टी (आप) को झटका देकर भाजपा में शामिल होनेवाली महिला नगर पार्षद कुंदन कोठिया की घर वापसी कर ली है। डेढ़ महीने पहले कुंदन कोठिया ने आप ने छोड़ भाजपा जॉइन की थी और अब भाजपा से पल्ला झाड़कर आप का दामन थाम लिया है। दिल्ली के आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के गुजरात दौरे से पहले गुजरात आप को बड़ी सफलता मिली है। बता दें कि शनिवार को अहमदाबाद में आप का रोड शो है, जिसमें दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी शामिल होंगे। आप में वापसी के बाद कुंदन कोठिया ने बताया कि आम आदमी पार्टी उनकी पार्टी है और मुझे इस बात की खुशी है कि पार्टी में मुझे वापस स्वीकार कर लिया है। भाजपा छोड़ने का कारण बताते हुए कुंदन कोठिया ने कहा कि वह गलत बर्दाश्त नहीं कर सकती। भाजपा में सच्चाई को दबाया जाता है, इसी वजह से उन्होंने आप नेतृत्व से संपर्क किया था, जिसने सहर्ष स्वीकार कर लिया। उन्होंने कहा कि भाजपा में ऊपर के आदेश के बगैर कोई काम नहीं होता।

बता दें कि करीब डेढ महीने पहले सूरत आप के 5 नगर पार्षदों ने भाजपा जॉइन कर ली थी। जिसमें से अब तक नगर पार्षद भाजपा छोड़ आप में वापस गए हैं। गौरतलब है कि शनिवार को अहमदाबाद में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के रोड शो का आयोजन किया गया है। पुलिस ने आप के इस रोड शो को मंजूरी दे दी है। अरविंद केजरीवाल और भगवंत मान आज रात ही अहमदाबाद पहुंच जाएंगे। शनिवार की सुबह 10 बजे केजरीवाल और मान गांधी आश्रम जाएंगे। शाम 4 बजे करीब डेढ़ किलोमीटर लंबा रोड शो होगा। जिसमें 50000 से ज्यादा लोगों के शामिल होने का दावा आप ने किया है।

विधानसभा चुनाव में अहम होगी ब्रह्म समाज की भूमिका : मालव पंडित

समाज के युवाओं के आर्थिक और सामाजिक विकास के साथ-साथ राजनीतिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है

अहमदाबाद।

श्री समस्त गुजरात ब्रह्मसमाज ने आज भारत के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास में ब्रह्म समाज के योगदान को बढ़ाने, समाज के प्रतिनिधित्व को बढ़ाने और समाज के लिए नए अवसर पैदा करने के उद्देश्य से राज्य स्तरीय कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। समाज के युवा। समाज के विकास की प्रतीक्षा करने और युवाओं को मजबूत प्रतिनिधित्व देने के लिए नियुक्त किया गया।

इस अवसर पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मालवभाई पंडित ने कहा, "ब्रह्म समाज के कल्याण और उत्थान में योगदान देने के लिए मुझे जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसके लिए मैं सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को धन्यवाद देता हूं। अपने स्वयं के समाज से संबंधित अन्य सामाजिक सेवा मामलों के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगारोन्मुखी योजनाओं को भविष्य में क्रियान्वित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि युवा शक्ति सम्मेलन की तरह सामाजिक एकता के लिए कार्य करने आएंगे। प्रमुख नेताओं ने बताया कि संगठन के ट्रस्टी श्री डॉ. यज्ञेश:

आगामी घटनाओं पर डेव के साथ चर्चा की जाएगी। ब्रह्म समाज के सामाजिक और आर्थिक योगदान के अलावा, राज्य में समाज के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को मजबूत करने के लिए निकट भविष्य में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्य में ब्रह्म समाज की संख्या और प्रतिशत को देखते हुए, जिसका वर्तमान में राजनीतिक दलों में प्रतिनिधित्व कम है, आगामी विधानसभा चुनाव में किसी भी पार्टी में ब्राह्मण उम्मीदवारों को टिकट देने की रणनीति तैयार की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि ब्रह्म समाज द्वारा नियमित आधार पर विभिन्न कल्याणकारी पहल की जाती हैं, जिसमें मुफ्त निदान शिविर, व्यापार शिखर सम्मेलन, ब्रह्म गौरव पुरस्कार और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल हैं। एक टूर्नामेंट भी आयोजित किया जा रहा है।

सुमेरु ग्रुप द्वारा भारत के पहले प्योर वेज फाइव स्टार होटल पार्क इन रेडिशन का उद्घाटन माननीय श्री सीआर पाटिल के हाथों किया जाएगा

सूरत भूमि, सूरत।

सुमेरु ग्रुप पिछले 35 वर्षों से रियल एस्टेट कारोबार में शामिल है। शानदार रेसिडेंसी और कोमर्शियल परियोजनाओं का निर्माण करके इस समूह ने सूरत शहर में जीवन शैली में बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सुमेरु ग्रुप एक फाइव स्टार होटल के निर्माण में क्रांतिकारी कदम उठाने जा रहा है। वे सूरत में भारत का पहला शुद्ध शाकाहारी होटल लॉन्च करने जा रहे हैं, जिसे होटल पार्क इन रेडिशन कहा जाता है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल, सड़क और परिवहन मंत्री पुनीश मोदी, गृह मंत्री हर्ष सांघवी और शहरी विकास मंत्री वीनू मोरडिया सहित राजनीतिक नेताओं द्वारा होटल का उद्घाटन 2 अप्रैल को किया जाएगा।

सुमेरु समूह के बाबूभाई शाह, अल्पेश शाह और रवि शाह ने कहा कि सूरत उद्योग का पसंदीदा शहर है और कपड़ा और हीरा उद्योग सूरत की पहचान है। इसलिए दुनिया भर से व्यापारी सूरत में व्यापार करने के लिए आ रहे हैं। शहर में अच्छे ब्रांड के विश्व स्तरीय होटलों की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है इसलिए हमने विश्व स्तरीय होटलों के साथ एक ब्रांड होटल बनाने का फैसला किया है।

हमारा होटल भारत का पहला शुद्ध शाकाहारी होटल है नॉनवेज दुनिया के ब्रांड वाला अधिकांश पांच सितारा होटलों बैंक्वेट, कैफे, जिम, में परोसा जाता है लेकिन शुद्ध शाकाहारी भोजन परोसने वाला हमारा होटल पहला भव्य होटल होगा। हमें इस होटल पर गर्व है। हम होटल में जैन खान-पान पर विशेष ध्यान देंगे। होटल में 93 कमरों के केंद्र में स्थित है ताकि ग्राहक पूरे शहर में आराम से आ-जा सकें। प्योर वेज और नो स्मोकिंग रूम। हम अगली तारीख 14 अप्रैल से होटल बुक करने जा रहे हैं। हमारे होटल में आएं और आरामदेह विलासितापूर्ण जीवन का आनंद लें। परिवार के साथ प्योर वेज मिडनाइट कैफे सहित विश्व स्तरीय सुविधाएं हैं। ग्राहकों के लिए डीलक्स रूम, सुइट रूम, सुपीरियर रूम समेत 4 कैटेगरी के कमरे उपलब्ध होंगे।

यहां कैफे एरिया, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, टैरेस गार्डन समेत सुविधाएं हैं। यह होटल शहर सहित सुविधाओं का आनंद लें।

सस्ता पेट्रोल-डीजल के लिए गुजरात आ रहे महाराष्ट्र के वाहन चालक

अहमदाबाद। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों से लोग परेशान हैं और ऐसे में कहीं आधा पैसा सस्ता पेट्रोल मिलने की खबर मिलते ही वाहन चालक ईंधन भराने वहां पहुंच जाते हैं। अगर प्रति लीटर पेट्रोल 14 रुपए और डीजल 4 रुपए सस्ता मिले तो लोगों की कतार लगना स्वाभाविक है। दरअसल महाराष्ट्र के मुकाबले गुजरात में पेट्रोल और डीजल सस्ता है। महाराष्ट्र से सटे गुजरात के एक पेट्रोल पंप पर इन दिनों वाहन चालकों की लंबी कतारें लग रही हैं। महाराष्ट्र के मुंबई समेत अलग अलग जिलों में पेट्रोल-डीजल के दाम गुजरात से कहीं ज्यादा होने के कारण वहां के वाहन चालक वलसाड में ईंधन भरवाने आ रहे हैं। महाराष्ट्र के पालघर, दहाणु, बोइसर, तलासरी और जवाहर के वाहन चालक सस्ता ईंधन पाने के लिए गुजरात का रुख कर रहे हैं। दक्षिण गुजरात के वलसाड जिला स्थित पेट्रोल पंप महाराष्ट्र के पालघर से करीब 12 किलोमीटर दूर है, जहां मंगलवार को पेट्रोल की कीमत प्रति लीटर रु. 99.74 और डीजल की रु. 94.09 थी। जबकि सीएनजी प्रति किलो की कीमत रु. 71.84 थी। जबकि उसी दिन पालघर में प्रति लीटर पेट्रोल की कीमत रु. 114.62 और डीजल रु. 97.38 में बिक रहा था। प्रति लीटर अगर 4 से 14 रुपए ईंधन सस्ता मिल रहा है तो वाहन चालकों का उसकी ओर आकृष्ट होना स्वाभाविक है। गुजरात के बोर्डर क्षेत्र में कई पेट्रोल पंप मालिकों ने होर्डिंग्स लगा रखे हैं कि महाराष्ट्र के मुकाबले गुजरात में पेट्रोल-डीजल रु. 4 से रु. 14 तक सस्ता मिलेगा। यही वजह है कि महाराष्ट्र से सटे वलसाड के पेट्रोल पंप पर महाराष्ट्र के वाहन चालकों की ईंधन भराने के लिए कतारें लगती हैं। इतना ही नहीं महाराष्ट्र की ओर जानेवाले ज्यादातर ट्रक समेत अन्य वाहन वलसाड में टैंक फूल करवाने के बाद अपनी मंझिल की ओर बढ़ जाते हैं। वलसाड जिले के तलवाडा गांव स्थित पेट्रोल पंप के मैनेजर रूपेश पटेल का कहना है कि गुजरात और महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल और गैस की कीमतों में बड़ा अंतर होने की वजह से बड़ी संख्या में महाराष्ट्र के वाहन चालक यहां ईंधन भराना आते हैं। यहां से एक किलोमीटर दूर ही महाराष्ट्र की सीमा है। जिससे वलसाड से सटे महाराष्ट्र के जिलों के वाहन चालक यहां आकर पेट्रोल-डीजल और गैस भरवाकर लौट जाते हैं।

नया रिकॉर्ड : स्कोडा ऑटो इंडिया ने सर्वोच्च मासिक बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

मार्च 2022 में लगातार बढ़ती बिक्री के साथ भारत में स्कोडा ऑटो इंडिया का दमदार प्रदर्शन जारी है और कंपनी मार्च में 5,608 वाहनों की रिकॉर्ड-तोड़ बिक्री करने में सफल रही है। यह स्कोडा ऑटो द्वारा भारत में अपने दो दशक के इतिहास में एक महीने में अब तक की सबसे अधिक बिक्री है। सालाना आधार पर मार्च 2022 में बिक्री में पांच गुना का उछाल आया। मार्च 2021 में कंपनी ने 1,159 वाहनों की बिक्री की थी। इससे पहले जून 2012 में स्कोडा ऑटो इंडिया ने 4,923 कारों की बिक्री की थी।

स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड निदेशक जैक हॉलिस ने कहा, "इंडिया 2.0 परियोजना के सफल क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी टीम के ठोस प्रयास के नतीजे सामने आ रहे हैं। यह परियोजना न केवल नए प्लेटफार्मों और उत्पादों के बारे में है, बल्कि हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं का एक संपूर्ण कायाकल्प है, जिसमें स्वामित्व अनुभव को बढ़ाना, हमारे नेटवर्क की पहुंच को व्यापक बनाना, हमारे ग्राहकों के करीब पहुंचना और विभिन्न प्रकार की मूल्य वर्धित सेवाएं जो स्कोडा का स्वामित्व रखने वाले ग्राहकों को एक खूबसूरत अनुभव प्रदान करता है, शामिल हैं। अल्पावधि में बाजार की धारणा को प्रभावित करने वाली चुनौतियों के बावजूद, हमें विश्वास है कि 2022 भारत में हमारे लिए अब तक का सबसे बड़ा वर्ष होगा। हम ब्रांड को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं, क्योंकि भारत वैश्विक स्तर पर स्कोडा ऑटो के लिए एक प्रमुख बाजार बन गया है।" इसके अलावा, 2022 की पहली तिमाही में, स्कोडा ऑटो इंडिया ने किसी भी तिमाही की तुलना में अधिक कारों की बिक्री की। जनवरी और मार्च 2022 के बीच, ब्रांड ने 13,120 वाहन बेचे। 2021 की समान अवधि में स्कोडा ऑटो इंडिया ने 3,016 वाहनों की बिक्री की थी। इस तरह बिक्री में चार गुणा से अधिक की बढ़ोतरी देखने को मिली।

इंडिया 2.0 परियोजना का सफल क्रियान्वयन उत्पादों की पूरी श्रृंखला में सकारात्मक प्रभाव पैदा करते हुए प्रोत्साहन प्रदान कर रहा है। यह ग्राहक का विश्वास है जिसके परिणामस्वरूप कोडियाक के बाद स्लाविया को जोरदार सफलता मिली है, जिसे इस साल की शुरुआत में लॉन्च किया गया था। पिछले साल लॉन्च होने के बाद से कुशाक का लगातार दमदार प्रदर्शन, और ऑक्टैगविया व सुपर्ब का अपने-अपने सेगमेंट में निरंतर वर्चस्व मार्च 2022 की रिकॉर्ड बिक्री में योगदान देने वाले कारक हैं।

इसके साथ ही विकास को बढ़ावा देने के लिए स्कोडा ऑटो 2021 और 2022 की पहली तिमाही में अपने डीलर नेटवर्क का विस्तार कर रहा है। इसके अलावा, स्कोडा सुपरकेयर और च्वीस ऑफ माइंडज अभियान के तहत वारंटी और सर्विस पैकेजों की अधिकता ने परिचालन लागत को कम किया है और स्वामित्व के अनुभव को बेहतर बनाया है।

ग्रीनमैन विरल देसाई ने पर्यावरण पर सार्वजनिक विश्वविद्यालय के छात्रों के साथ बातचीत की

सूरत।

सार्वजनिक यूनिवर्सिटी के तहत श्री रामकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर एजुकेशन एंड एप्लाइड साइंस के एनएसएस कैंप के दौरान ग्रीनमैन के नाम से मशहूर पर्यावरण प्रेमी विरल देसाई को पौधारोपण और संवाद के लिए आमंत्रित किया गया. जहां विरल देसाई ने च्जलवायु परिवर्तन में पर्यावरण सेनानी आवश्यकताज् पर बात कीवक्तव्य दिया था।

उल्लेखनीय है कि श्री रामकृष्ण इंस्टीट्यूट ऑफ कम्प्यूटर एजुकेशन एंड एप्लाइड साइंसेज का वार्षिक एनएसएस शिविर ऐतिहासिक वांझ गांव में आयोजित किया गया था। जहां पैंतीस छात्र श्रम और सेवा मूल्यों का प्रशिक्षण लिया था। कैंप के दौरान ग्रीनमैन विरल देसाई को छात्रों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में जानकारी देने के लिए आमंत्रित किया गया था। जहां सभी छात्रों को विरल देसाई नेज्पर्यावरण सेनानीज् की टोपी पहनाई थी। वहीं सभी छात्रों ने गांधीधुन के साथ वांझ प्राइमरी स्कूल तक रैली की. बाद में वहां वृक्षारोपण किया गया।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के बाद ग्रीनमैन विरल देसाई ने बताया कि कैसे छात्र च्पर्यावरण सेनानीज् बन सकते हैं, अपने स्तर पर पर्यावरण की रक्षा कर सकते हैं या एक अच्छे नागरिक बन सकते हैं और देश और दुनिया के भविष्य को बेहतर बना सकते हैं।इस मौके पर विरल देसाई ने कहा, च्कॉलेज के एनएसएस समन्वयक डॉ. संगीताबेन सनाध्या और डॉ. मीनलबेन वांसिया द्वारा छात्रों को दिए जा रहे श्रम और सेवा प्रशिक्षण को देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। आखिर पर्यावरण संरक्षण भी राष्ट्र के लिए हमारी सेवा का एक हिस्सा है और जब ये प्रोफेसर ऐसे छात्रों को तैयार कर रहे हैं, तो हमें विश्वास है कि हमारा कल सुंदर है।

विरल देसाई ने आगे कहा, च्ठीक एक साल पहले हमने इस ऐतिहासिक वांझ गांव से च्प्रदूषण के खिलाफ सत्याग्रहज् आंदोलन शुरू किया था। और आज ठीक एक साल बाद हमने यहां के छात्रों को च्पर्यावरण सेनानीज् बनाया है। मुझे खुशी है कि गांधी और सरदार के मूल्यों पर आधारित आंदोलन में अब हजारों छात्र शामिल हो गए हैं।

वृक्षारोपण एवं संवाद के इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. चौलामीबेन देसाई। वांझ गांव के तलाटी महेशभाई धोराजिया के साथ-साथ गांव की सरपंच हिनाबेन परेशभाई पटेल, के साथ-साथ पूर्व सरपंच समीर पटेल भी मौजूद थे।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)